RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -250 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, रविवार 23 नवम्बर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

राजस्थान में कांग्रेस ने घोषित किए 45 जिलाध्यक्ष, 12 मौजूदा और 5 पूर्व विधायकों को मिली जिम्मेदारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

लम्बे इंतज़ार के बाद आखिर कांग्रेस ने 45 जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी. इस सूची में कई पूर्व मंत्री और विधायक शामिल हैं. कई नाम चौंकाने वाले भी हैं. बीकानेर ग्रामीण से विशनाराम सियाग. बीकानेर शहर से मदन गोपाल मेघवाल. बूंदी से महावीर मीणा. चित्तौड़गढ़ से प्रमोद सिंह सिसोदिया सिंह. चूरू से मनोज से मेघवाल. दौसा से रामजीलाल ओड़ को जिला अध्यक्ष बनाया गया है. वहीं डीडवाना कुचामन से जाकिर हुसैन गैसावत. धौलपुर से संजय जाटव. डूंगरपुर से गणेश घोघरा. हनुमानगढ़ से मनीष मक्कासर. जयपुर ग्रामीण पूर्व से गोपाल मीणा. जयपुर ग्रामीण पश्चिम से विद्याधर चौधरी. जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष का एलान नहीं हुआ है. इसके आलावा जैसलमेर से अमर दिन फकीर. जालौर से रमीला मेघवाल. झुंझुनू से रीता चौधरी. जोधपुर ग्रामीण से गीता बरवड़. जोधपुर शहर से ओमकार वर्मा को जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी दी गई है. विधायक विकास चौधरी, अर्जुन सिंह बामनिया, मनोज मेघवाल, जाकिर हुसैन गैसावत, संजय जाटव, गणेश घोघरा, विद्याधर चौधरी, रीटा चौधरी, गीता बरवड़, घनश्याम मेहर, इंदिरा मीणा और रुपिंदर सिंह कुन्नर को बनाया जिला अध्यक्ष. पूर्व मंत्री के रूप में रामलाल जाट और अर्जुन सिंह बामनिया भी लिस्ट में शामिल. इसके अलावा सलूंबर से परमानंद मेहता, सवाई माधोपुर से इंदिरा मीणा. सीकर से सुनीता गठाला. सिरोही से लीलाराम गरासिया. श्रीगंगानगर से रुपिंदर सिंह कुन्नर. टोंक से सैयद सऊद सईदी. उदयपुर ग्रामीण से रघुवीर सिंह मीणा, उदयपुर शहर से फतेह सिंह राठौड़ और भीलवाड़ा से पूर्व मंत्री रामलाल जाट को जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी मिली है.

अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिस्ट को ट्वीट करते हुए लिखा संगठन सृजन अभियान के माध्यम से राजस्थान में नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे एवं नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी की इस नायाब पहल से यह नया प्रयोग हुआ है. अब यह हम सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ काम कर उन्हें सफल बनाएं एवं नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भी सभी को साथ लेकर आगे काम करें.

✦ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से रायशुमारी के बाद तय हुए नाम

कांग्रेस पार्टी के इन जिलाध्यक्षों की नियुक्ति राहुल गांधी के निर्देश पर की गई रायशुमारी के आधार पर की गई है। प्रदेशभर में पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से बातचीत कर नाम सुझाए थे। बारां और झालावाड़ में अंता उपचुनाव के चलते रायशुमारी नहीं हो पाई, इसलिए इन दोनों जिलों में नियुक्ति टाल दी गई है।

✦ 5 जिलों में पूर्व विधायकों पर भरोसा

पूर्व विधायकों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। पूर्व मंत्री रामलाल जाट को भीलवाड़ा ग्रामीण का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जयपुर ग्रामीण में गोपाल मीणा, भीलवाड़ा शहर में रामलाल जाट, कोटपूतली-बहरोड़ से इंद्राज गुर्जर, उदयपुर ग्रामीण में रघुवीर मीणा और अजमेर शहर में राजकुमार जयपाल को जिम्मेदारी दी गई है।

✦ हर जिले से भेजा गया था छह नामों का पैनल

इस बार कांग्रेस ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया। बाहरी राज्यों से आए पर्यवेक्षकों ने रायशुमारी कर हर जिले से छह नामों का पैनल तैयार कर रिपोर्ट उच्च नेतृत्व को भेजी। इसके बाद संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की। अंतिम निर्णय के लिए राहुल गांधी को एक-एक नाम का पैनल भेजा गया।

✦ पुराने और नए चेहरों का संतुलन

जारी सूची में कई जिलों में नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जबकि कुछ जिलों में कार्यकर्ता आधार और संगठनात्मक मजबूती को देखते हुए पुराने अध्यक्षों को फिर से मौका दिया गया है। कुल 50 में से 45 जिलों में नई नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि पांच जिलों के नाम जल्द घोषित किए जाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृहमंत्री व यूपी सीएम का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने उनकी अगवानी की। शर्मा ने एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी की। रणकपुर, पाली में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के परिवार में वैवाहिक आयोजन में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार दोपहर डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। यहां जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, सांसद डॉ मन्नालाल रावत, विधायक उदय लाल डांगी, सलूम्बर विधायक शांतादेवी, निम्बाहेड़ा विधायक चंद कूपलानी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, आईजी गौरव वास्तव, जिला कलक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात् उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा ने उनकी अगवानी की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशेष विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने गृहमंत्री का स्वागत किया। शाह और मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से रणकपुर पहुंचे तथा वहां वैवाहिक आयोजन में भाग लेकर पुन: डबोक एयरपोर्ट लौटे। यहां से शाह ने नई दिल्ली के लिए तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

एसआईआर पर हल्लाबोल की तैयारी में कांग्रेसः रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को बड़े आयोजन की कवायद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ लोगों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। इसी कोशिश के तहत कांग्रेस पार्टी 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एक विशाल रैली का आयोजन करने जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि लोगों का वोट देने का संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। वहीं भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और दावा किया कि इंडी गठबंधन के सहयोगी भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं हैं। कांग्रेस की रैली पर तेलंगाना कांग्रेस के नेता वी हनुमंता राव ने कहा कि '65 लाख मत चोरी कर लिए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने इसकी जांच भी नहीं कराई। यही वजह है कि सभी राजनीतिक पार्टियां रामलीला मैदान में रैली करेंगी। राहुल गांधी भी इस रैली में शामिल होंगे और देशवासियों को बताएंगे की देश में किस तरह से बेईमानी हो रही है। बाबा साहेब आंबेडकर ने लोगों को जो अधिकार दिए, उन्हें लागू नहीं किया जा रहा। लोगों को इसके खिलाफ एकजुट होना चाहिए। वोट चोर, गद्दी छोड़ की बैठक सफल होगी। एनडीए सरकार को अपनी आंखें खोलनी चाहिए।' कांग्रेस के 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में एसआईआर के मुद्दे पर बड़ी रैली करने को लेकर भाजपा ने कहा कि एसआईआर सिर्फ एक बहाना और चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि, 'एसआईआर तो एक बहाना है। परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही कांग्रेस है जिसने महाराष्ट्र में एसआईआर का समर्थन किया था, इसे तुरंत लागू करने की मांग की थी, फिर भी बंगाल और बिहार में कांग्रेस पार्टी एसआईआर पर अलग स्टैंड लेती है। वे एसआईआर का विरोध करते हैं, लेकिन बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील या शिकायत फाइल नहीं की गई है।' पूनावाला ने कहा कि 'कांग्रेस के नेता भी इस वोट चोरी की बात पर यकीन नहीं करते। तारिक अनवर और दूसरे लोग इसे गलत बताते हैं, उनका दावा है कि टिकट चुराए गए थे, वोट नहीं। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को पहले अपने नेताओं और अपने साथियों को समझाना चाहिए। इस रैली में भी, इंडी गठबंधन का कोई पार्टनर शामिल नहीं हो रहा है। कांग्रेस कह रही है, 'वोट चोर, गद्दी चोर', लेकिन कांग्रेस के साथी कह रहे हैं,

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को जानबूझकर दबाया, भाजपा ने दिलाया सम्मानः जेपी नड्डा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने '@150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। लेकिन सरदार पटेल ने दो वर्षों के भीतर इन सभी रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक कारणों से पटेल को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। उनके मुताबिक राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले, जिसे रोकने का प्रयास कांग्रेस सरकारों ने लगातार किया। नड्डा ने कहा कि इस अन्याय को खत्म करने का सही काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। कार्यक्रम में नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ एक प्रतिमा है, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक भी है, जिसे पटेल ने अपने अथक प्रयासों से साकार किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पटेल ने विभाजित हिंदुस्तान को एक मजबूत राष्ट्र में बदल दिया। उन्होंने देश को विदेशी मानसिकता और बिखराव से आजाद किया। नड्डा ने कहा कि आज जब देश उनकी जयंती मना रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि उनका योगदान देश की एकता और अखंडता की नींव है। नड्डा ने कहा कि '@150 यूनिटी मार्च' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पटेल के योगदान से अवगत कराना है।

बहादुरी, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को हमेशा याद रखा जाएगा', वायुसेना ने नामांश स्याल को दी श्रद्धांजलि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

एक दिन पहले दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले विंग कमांडर नामांश स्याल को श्रद्धांजलि अर्पित की है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- विंग कमांडर नामांश स्याल के निधन से वह बेहद व्यथित है। दुबई एयर शो में तेजस लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उनकी जान चली गई। वह एक बेहतरीन लड़ाकू पायलट थे, जिनकी पहचान अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए होती थी। वायुसेना के अनुसार, विंग कमांडर स्याल ने हमेशा पूरी निष्ठा और उत्कृष्ट कौशल के साथ देश की सेवा की। उनके व्यवहार में गरिमा थी और उनके साथ काम करने वाले उन्हें बेहद सम्मान की नजर से देखते थे। दुबई में हुए उनके अंतिम सम्मान समारोह में यूएई के अधिकारी, भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि, उनके साथी पायलट, मित्र और कई अन्य लोग मौजूद रहे। हर चेहरे पर शोक था, लेकिन गर्व भी, क्योंकि उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में लगाया। भारतीय वायुसेना ने कहा कि इस कठिन समय में वह उनके परिवार के साथ खड़ी है। वायुसेना ने वादा किया है कि विंग कमांडर स्याल की बहादुरी, समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रेम को हमेशा याद रखा जाएगा। उनका जाना एक बड़ी क्षति है, मगर उनका योगदान और उनका साहस आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

ड्रग्स-आतंकवाद के खतरनाक गठजोड़ के खिलाफ..., जी 20 लीडर्स समिट में पीएम मोदी ने दिया संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

जोहान्सबर्ग में हो रहे जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की सशक्त और स्पष्ट आवाज को दुनिया के सामने रखा। इस बार उन्होंने ड्रग तस्करी और आतंकवाद के बीच बढ़ते खतरनाक नेक्सस को निशाना बनाते हुए 'जी-20 इनिशिएटिव ऑन काउंटरिंग द ड्रग-टेरर नेक्सस'' नाम से एक नया वैश्विक अभियान शुरू करने का प्रस्ताव रखा। पीएम मोदी ने इसके अलावा भी दो अन्य प्रस्ताव दुनिया के शीर्ष 20 आर्थिक शक्तियों के समक्ष रखा। इसमें एक प्रस्ताव अगले कुछ वर्षों में 10 लाख अफ्रीकी युवाओं को तकनीकी तौर पर प्रशिक्षित करने का भी है।

जबकि एक प्रस्ताव दुनिया के विभिन्न हिस्सों में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को संजो कर रखने से संबंधित है। पीएम मोदी ने कहा, 'मादक द्रव्यों की तस्करी एक बहुत ही बड़ा मुद्दा है। फेंटेनिल जैसे अत्यंत घातक ड्रग्स आज तेजी से फैल रहे हैं। ये सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गए हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ड्रग्स की काली कमाई अब आतंकवाद को फाइनांस करने का सबसे बड़ा जरिया बन चुकी है।'' उन्होंने संकेत दिया कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए अब अलग-अलग देशों के अलग-अलग प्रयास काफी नहीं हैं। इसके लिए वैश्विक प्रयास होने चाहिए और इससे जुड़े फाइनेंस, गवर्नेंस और सिक्योरिटी से जुड़े सभी उपकरणों को एक साथ लाना होगा। मोदी का प्रस्ताव है कि ज20 इस नेक्सस को कमजोर करने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाए और ठोस कार्रवाई करे। भारत ने उक्त प्रस्ताव के तहत सीधे तौर पर सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा नहीं उठाया है लेकिन हाल के वर्षों के दौरान भारत का यह अनुभव है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह से पोषित आतंकवाद में मादक-द्रव्यों की अहम भूमिका है। इसके पहले भारत की अगुआई में वर्ष 2023 की नई दिल्ली जी-20 सम्मेलन में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई थी और इसके खिलाफ जीरो-टॉलेरेंस की बात पहली बार घोषणा पत्र में शामिल की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से लगातार हर बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच के जरिए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को न सिर्फ दोहराया जाता है, वैश्विक बिरादरी को कभी सीमा पार आतंकवाद, तो कभी क्रिप्टोकरेंसी तो कभी टेरर-फंडिंग (आतंकवादियों को वित्तीय सुविधा देने) पर समाधान भी सुझाता है।

केंद्र की चंडीगढ़ को अनुच्छेद-240 के तहत लाने की तैयारी, पंजाब के सियासी दलों में मचा घमासान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चंडीगढ़

पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ को पंजाब राज्यपाल के संवैधानिक दायरे से बाहर लाने की तैयारी की जा रही है। एक दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार इस संदर्भ में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2025 लाएगी। जिसके तहत चंडीगढ़ का अलग प्रशासक नियुक्त किया जा सकेगा जबकि अभी पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक होते हैं। अब यहां एलजी को बतौर प्रशासक नियुक्त किया जा सकेगा। केंद्र ने यूटी चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद-240 के दायरे में शामिल करने का प्रस्ताव दिया है, जो राष्ट्रपति को इस संबंध में सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है।

बिहार के बाद अब बंगाल पर भाजपा की नजर, पीएम मोदी और अमित शाह दिसंबर से करेंगे लगातार दौरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

बिहार चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद उत्साहित भाजपा की नजर अब बंगाल पर है, जहां पांच माह बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व साल खत्म होने से पहले पूरी ताकत से बंगाल में चुनाव प्रचार में कूदने जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के दूसरे शीर्ष नेता दिसंबर से लगातार बंगाल का दौरा करेंगे। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि राज्य नेतृत्व ने प्रधानमंत्री से इस साल बंगाल के विभिन्न हिस्सों में 10 जगहों पर रैली का अनुरोध किया था।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा ऐलान

स्कूलों में अब 'पारंपरिक पोशाक' पहनेंगे बच्चे, धर्मांतरण के अड्डों पर चलेगा बुलडोजर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान के शिक्षा राज्य मंत्री मदन दिलावर शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे. निजी स्कूल के कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे सर्किट हाउस पहुंचे. बीजेपी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार माला और साफा पहनाकर उनका स्वागत किया. उन्होंने बताया कि राजस्थान के सभी सरकारी विद्यालयों में जल्द ही एक दिन ऐसा तय किया जाएगा, जिस दिन विद्यार्थी यूनिफॉर्म की जगह पारंपरिक वेशभूषा या स्थानीय कपड़ों में स्कूल आएंगे. यह आदेश शिक्षा विभाग को जारी कर दिया गया है. इसका उद्देश्य छात्रों में स्थानीय संस्कृति व परंपरा के प्रति रुचि बढ़ाना है. धर्मांतरण कानून को लेकर दिलावर ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी और कहा कि राज्य ने देश का सबसे सशक्त कानून लागू किया है. विधानसभा में पारित इस बिल को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है. दिलावर ने बताया, 'यदि कोई व्यक्ति धर्मांतरण गतिविधि में शामिल पाया जाता है और आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो उसे आजीवन कारावास और 50 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है. इतना ही नहीं, जिस भवन या स्थल का उपयोग धर्मांतरण के लिए किया गया होगा, उस पर बुलडोजर कार्रवाई भी की जा सकेगी.' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले भी धर्मांतरण कराने वालों के साथ थी और आज भी इसी मानसिकता पर चल रही है. दिलावर ने कहा कि अब ऐसे लोगों को सीधा काल कोठरी में डाला जाएगा. कांग्रेस की ओर से स्ट्रक्चर पर लगातार शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया. दिलावर ने कहा कि यह प्रक्रिया बेहद जरूरी है, ताकि बोगस, गलत और एक से अधिक जगह वोटिंग करने वाले नाम हटाए जा सकें. मृत लोगों के नाम भी हटना आवश्यक है, ताकि चुनाव शुचिता के साथ संपन्न हों. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इसलिए हल्ला कर रही है, क्योंकि संभवतः उन्होंने बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में जोड़वाए होंगे. दिलावर ने कहा कि कांग्रेस की दाढ़ी में तिनका है, इसलिए घबराहट हो रही है. क्योंकि चोर की दाढ़ी में ही तिनका होता है. स्ट्रक्चर से चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी होगी और हर फर्जी वोटर का नाम सूची से बाहर होगा. साथ ही बीएलओ से से आग्रह किया कि इस कार्य को तनाव में आकर न करें, बल्कि शांति से पूरा करें. यह कोई साल भर का काम नहीं, बल्कि मुश्किल से एक से डेढ़ महीने की प्रक्रिया है.

स्कूलों में सांस्कृतिक जागरूकता के लिए शुरू की गई पहल

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के मुताबिक भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली ने स्कूलों में सांस्कृतिक जागरूकता के लिए पहल करते हुए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजकर राज्य के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंट्स और स्कूल स्टाफ के लिए सप्ताह में एक दिन स्थानीय वेशभूषा (गहनों/आभूषणों) को छोड़कर पहन कर आने के लिए प्रेरित करने को लिखा है। भारत सरकार का मत है कि ऐसा करना राज्य के सांस्कृतिक जागरूकता, लोक संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

हथकरघा वस्त्र को नियमित रूप से बढ़ावा देना चाहिए

भारत सरकार ने पत्र में यह भी सुझाव दिया है कि राज्य सरकार को भारत की वस्त्र विरासत के साथ गहरा संबंध विकसित करना चाहिए। इसके लिए संस्कृति के हिस्से के रूप में सप्ताह में एक बार स्कूल यूनिफार्म और विश्वविद्यालय ड्रेस में हथकरघा वस्त्र को नियमित रूप से शामिल करने को बढ़ावा देना चाहिए। हथकरघा वस्त्र को समर्थन एवं सहयोग करना चाहिए। ऐसे में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भारत सरकार के इस सुझाव का स्वागत और समर्थन करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इसे लागू करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सिलीसेढ़ में बोरिंग कार्य के लिए पुलिस फोर्स की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर को सिलीसेढ़ क्षेत्र से अतिरिक्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 35 नई बोरिंगों की खुदाई का काम एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए जलदाय विभाग ने जिला प्रशासन से पुलिस फोर्स उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, ताकि कार्य सुचारु रूप से पूरा किया जा सके। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही बोरिंग और पाइपलाइन बिछाने की प्रक्रिया को गति दी जाएगी। हाल ही में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में हुई बैठक में सिलीसेढ़ से पानी लाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई थी। प्रस्तावित बोरिंगों के माध्यम से शहर को करीब 10 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिलेगा। अलवर को फिलहाल 95 एमएलडी पानी की आवश्यकता है, जबकि केवल 40 एमएलडी की आपूर्ति हो पा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सिलीसेढ़ परियोजना के शुरू होने से शहर में पेयजल संकट काफी हद तक कम हो जाएगा।

कलवाड़ा में गैस पाइपलाइन लीक, महिला झुलसी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कलवाड़ा में शनिवार को रसोई में खाना बनाते समय एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। जानकारी के अनुसार, पीड़िता सुनीता खाना बना रही थी, तभी अचानक गैस सिलेंडर की पाइपलाइन लीक हो गई और आग भड़क उठी। देखते ही देखते सुनीता लपटों की चपेट में आ गई। परिजन शेर सिंह ने बताया कि हादसे के बाद उन्होंने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया और सुनीता को गंभीर स्थिति में लक्ष्मणगढ़ अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है और वे रसोई में गैस सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं।

राजपुर बड़ा गांव में ड्यूटी के दौरान बीएलओ बेहोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के सकट क्षेत्र के राजपुर बड़ा गांव में शनिवार को बूथ संख्या 216 के बीएलओ योगेश कुमार शर्मा ड्यूटी के दौरान अचानक बेहोश हो गए। वे फील्ड में मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत गणना प्रपत्रों का कलेक्शन कर रहे थे। घटना के समय उनके साथ मौजूद सहयोगियों ने तुरंत उन्हें राजपुर बड़ा गांव के राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार प्रदान किया। सेक्टर 122 के बीएलओ सुपरवाइजर एवं व्याख्याता पी. डी. मीणा ने बताया कि उपचार के बाद योगेश कुमार की तबीयत में सुधार हुआ है और वे अब खतरे से बाहर हैं। घटना की जानकारी मिलते ही व्याख्याता मीणा और राजपुर बड़ा राउमावि के पीईईओ प्यारेलाल जाटव भी स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे और उनके स्वास्थ्य की स्थिति जानी। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी बीएलओ के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

डॉ. यादव बने राजस्थान से एग्जीक्यूटिव मेंबर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सत्य भान यादव को गुजरात के भुज स्थित क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधि बनाकर 'इंडियन इकोनॉमिक्स एंड अलाइड साइंसेज एसोसिएशन' की एग्जीक्यूटिव बॉडी में चुना गया। तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रो. यादव ने 'विकसित भारत और राजस्थान में किसानों तक कृषि ऋण की पहुँच' विषय पर अपने शोध पत्र का वाचन किया और एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मोहन पटेल ने उन्हें स्मृति चिह्न और शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया। सम्मेलन में देशभर के कई विश्वविद्यालयों के कुलपति, ख्यातनाम अर्थशास्त्री और समाज विज्ञानी उपस्थित रहे। प्रो. यादव की इस उपलब्धि को अर्थशास्त्रियों ने राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण माना है।

यादव सभा शहर अलवर में अध्यक्ष का चुनाव आज, पाँच प्रत्याशी मैदान में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

यादव सभा शहर अलवर के अध्यक्ष पद के लिए आज होने वाला चुनाव समाज में उत्सुकता का विषय बना हुआ है। परशुराम सर्किल स्थित कृष्ण यादव छात्रावास में सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इस बार अध्यक्ष पद के लिए पांच प्रत्याशी मैदान में हैं–नरेंद्र यादव, बीएल यादव, विजयपाल यादव, रणजीत यादव और राहुल यादव। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुनीराम यादव के अनुसार कुल 6044 मतदाता अपने प्रतिनिधि का चयन करेंगे। चुनाव को लेकर समाज में काफी जागरूकता देखी जा रही है। कई मतदाता बताते हैं कि संगठन का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो सभी वर्गों को साथ लेकर चले और समाज को मजबूत दिशा दे। मतदान केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए अलग से व्यवस्था की गई है और टीम तैनात कर दी गई है। शाम 5 बजे मतदान समाप्त होने के बाद 5.30 बजे से मतगणना शुरू होगी।

अलवर में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप लूट, व्यापारियों में दहशत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर के शिवाजी पार्क क्षेत्र में दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शॉप से लाखों रुपए का सोना-चांदी लूट लिया गया। राधा ज्वेलर्स पर हुई इस वारदात में तीन नकाबपोश बदमाश शामिल थे, जिन्होंने पूरी दुकान में खौफ का माहौल बना दिया। जानकारी के अनुसार, एक बदमाश ने दुकानदार के गले पर दरांती लगाकर उसे डराया, जबकि दूसरा बदमाश सोना-चांदी निकालकर बैग में भर रहा था। तीसरा बदमाश दुकान के बाहर पिस्टल लहराते हुए खड़ा था और आने वाले ग्राहकों को गोली मारने की धमकी दे रहा था। इसके कारण कोई भी पास नहीं जा सका और वारदात तेजी से अंजाम पाई। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों ने पूरी घटना रिकॉर्ड कर ली है। फुटेज में लूट और भगदड़ की स्थिति साफ दिखाई दे रही है, जिससे पुलिस को संदिग्धों की पहचान में मदद मिलने की उम्मीद है। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। इस घटना ने क्षेत्र के व्यापारियों में भय और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। स्थानीय व्यापारिक समुदाय ने सुरक्षा बढ़ाने और नियमित निगरानी की मांग की है। पुलिस भी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त टीमों को तैनात कर रही है। वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की अपील की है।

अलवर में ताला ठीक करने के बहाने घर से ले गए 5 लाख के गहने

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर में शनिवार दोपहर तिजारा फाटक के पास शिव कॉलोनी में दो युवकों ने ताला सुधारने के बहाने घर में घुसकर 5 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी कर लिए। पीड़ित परिवार के अनुसार, दोनों युवक 'ताला ठीक करने' का झांसा देकर घर में आए और अलमारी की चाबी के साथ छेड़छाड़ कर चकमा देकर जेवर ले उड़े। शिव कॉलोनी निवासी राजेश यादव ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि गली में दो सरदार युवक ताला ठीक करने की बात कहकर घूम रहे थे। घर की बुजुर्ग मां ने एक खराब ताला ठीक करवाने के लिए उन्हें बुला लिया। युवक ताला खोलने के बहाने अलमारी की चाबी ले आए और उसे मरोड़कर वापस कर दिया। जब चाबी अलमारी में फिट नहीं हुई तो वे दोबारा चाबी मांगने लगे। पीड़ित परिवार के अनुसार, युवकों ने अलमारी खोलने का प्रयास करने का नाटक किया और मौके का फायदा उठाकर अंदर रखी सोने की चेन, झुमकी, टॉप्स और करीब 6 हजार रुपए नकद निकाल लिए। इसके बाद वे 'दूसरी चाबी लाने' का बहाना बनाकर घर से निकल गए और वापस नहीं लौटे। कुछ देर बाद घर वालों ने अलमारी खोली तो जेवर और नकदी गायब थी। घटना का पता चलने पर परिजनों ने तुरंत शिवाजी पार्क थाने में शिकायत दी। वहीं घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी में दोनों संदिग्ध युवकों की फुटेज कैद होने की बात सामने आ रही है, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। पीड़ित परिवार में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस ने इलाके में ताला सुधारने वाले फर्जी कारीगरों से सावधान रहने की अपील की है।

स्विगी डिलीवरी बॉय का मोबाइल छीनकर भागे बदमाश गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में स्विगी डिलीवरी बॉय का मोबाइल छीनकर फरार होने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने चलती स्कूटी पर झपट्?टा मारकर वारदात को अंजाम दिया था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है, जहां घटना के बाद पुलिस लगातार जांच में जुटी हुई थी। डिलीवरी बॉय जुगल किशोर ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि 19 नवंबर की देर रात वह नंगली सर्किल से मन्नी का बड़ होते हुए महावीर ढाबे की ओर ऑर्डर लेने जा रहा था। उसका मोबाइल बाइक के हैंडल के पास लगे स्टैंड में रखा हुआ था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए दो बाइक सवार बदमाश चलती बाइक से मोबाइल झपटकर फरार हो गए। अचानक हुई घटना से वह घबरा गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तेज जांच के बाद फुटेज में दिखे दोनों आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कृष्ण कंवरिया पुत्र रामचंद्र कंवरिया (निवासी खंडेलवाल स्कूल के पास एनईबी, हाल निवासी सुभाष नगर किराएदार) और वसीम अकरम पुत्र आसम (निवासी पाटा नौगांवा, हाल निवासी 60 फीट रोड) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने दोनों के कब्जे से छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी पहले भी इसी तरह के कई मामलों में लिप्त रहे हैं, जिनके प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने घोषित किए नए जिला अध्यक्ष: अलवर में प्रकाश गंगावत, खैरथल-तिजारा में बलराम यादव और कोटपूतली-बहरोड़ में इंद्रराज गुर्जर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

एआईसीसी ने शनिवार को राजस्थान के विभिन्न जिलों के नए जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी। अलवर जिले से प्रकाश गंगावत, खैरथल-तिजारा से बलराम यादव और कोटपूतली-बहरोड़ जिले से इंद्रराज गुर्जर को अध्यक्ष बनाया गया है। दो नए जिलों–खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़–में यह पहली नियुक्ति है, जिससे संगठन को नया ढांचा मिला है। अलवर में प्रकाश गंगावत की नियुक्ति लंबे समय से चल रही खींचतान के बाद हुई है। गंगावत थानागाजी के मूल निवासी हैं और पहले भी जिला कार्यकारिणी में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनके पिता कृष्ण मुरारी गंगावत पूर्व विधायक और संगठन में अहम पदों पर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, प्रकाश की दावेदारी को मजबूत करने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही। हालांकि, इस नियुक्ति का विरोध थानागाजी विधायक कांति मीणा, सुनील बोहरा और उर्मिला योगी ने किया था, लेकिन पार्टी ने उनकी आपत्तियों को नज़रअंदाज़ करते हुए प्रकाश के नाम पर मुहर लगाई। पूर्व अध्यक्ष योगेश मिश्रा को मेव समाज की नाराज़गी और लंबे कार्यकाल के कारण बदला गया। वहीं नए जिलों में बलराम यादव और इंद्रराज गुर्जर से संगठन को मजबूत करने की उम्मीद जताई जा रही है।

आज रानीखेत एक्सप्रेस सहित 4 ट्रेनें अलवर नहीं आएंगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

रविवार को रेलवे ने विभिन्न कारणों से रानीखेत एक्सप्रेस सहित 4 ट्रेनों को अलवर से डायवर्ट या रद्द कर दिया है। इसके कारण यात्रियों को अलवर स्टेशन से सेवाएं प्रभावित रहेंगी। जानकारी के अनुसार काठगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस और जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस को रेवाड़ी-फुलेरा मार्ग से संचालित किया जाएगा, जिससे ये दोनों ट्रेनें अलवर नहीं आएंगी। बाड़मेर-जम्मूतवी शालीमार एक्सप्रेस और जम्मूतवी-बाड़मेर शालीमार एक्सप्रेस को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। वहीं शताब्दी सहित कई ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। नई दिल्ली-दौराई शताब्दी एक्सप्रेस खातीपुरा तक ही जाएगी और वापसी में खातीपुरा से ही नई दिल्ली के लिए चलेगी। इसी तरह जम्मूतवी-अजमेर गलताधाम पूजा एक्सप्रेस और प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस भी खातीपुरा तक ही पहुंचेगी।

गंगा प्रवाह यात्रा को अलवर में मिला भव्य स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरदार पटेल की जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने पर दिल्ली से प्रारंभ हुई गंगा प्रवाह यात्रा शनिवार शाम चार बजे जब अलवर पहुंची तो शहर देशभर से जुटे युवा उत्साह से भर उठा। 10 बसों में आए भाजपा युवा मोर्चा के आठ राज्यों के करीब 350 कार्यकर्ताओं ने यहां पहुंचते ही यूनिटी मार्च निकाला, जिसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। यूनिटी मार्च भगतसिंह सर्किल से शुरू हुआ। यहां युवाओं ने भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद काशी राम चौराहा, घंटाघर, मन्नी का बड़ होते हुए मार्च शहीद स्मारक पहुंचा, जहां शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। हाथों में तिरंगा लिए युवा जगह-जगह पहले से इंतजार कर रहे लोगों के बीच से गुजर रहे थे। शहरवासियों ने गेंदे व गुलाब की पंखुड़ियों से उनका स्वागत किया। मार्ग में कुल 55 स्थानों पर पुष्पवर्षा की गई, जिससे माहौल राष्ट्रभावना से सराबोर हो गया। शहीद स्मारक से यात्रा आगे बढ़कर नेहरू पार्क पहुंची, जहां जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। यात्रा के राष्ट्रीय संयोजक व युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल ने कहा कि यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के व्यक्तित्व, राष्ट्र एकीकरण की उनकी भूमिका और उनके योगदान को देशभर के युवा तक पहुंचाना है। जम्मू-कश्मीर युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अरुण प्रभात और राजस्थान युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री व यात्रा प्रदेश संयोजक नरेंद्र पिलानिया ने भी अपने विचार साझा किए। सभा में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, दक्षिण जिला संयोजक हरिशंकर खंडेलवाल, नरेश गोयल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। यात्रा में झारखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और चंडीगढ़ के युवा शामिल थे। राष्ट्रीय सह प्रभारी राजू कालरा और विशाल त्रिवेदी भी साथ रहे। यात्रा रविवार को अलवर से कोटा के लिए प्रस्थान करेगी। आगामी 26 नवंबर को जयपुर में यात्रा को प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

नगर पालिका कर्मचारी पर रजाई वाले से वसूली और धमकाने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर के बहादुरपुर क्षेत्र में सड़क किनारे रजाई-गद्दे की कच्ची दुकान लगाने वाले व्यक्ति से नगर पालिका कर्मचारी द्वारा धमकाकर पैसे मांगने और डराने-धमकाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने जब कर्मचारी का वीडियो बनाना शुरू किया, तो कर्मचारी उसे जबरदस्ती बंद करवाने की कोशिश करता दिखाई दिया और बोला– 'वीडियो बंद कर ले, नहीं तो दुकान हटवा दूंगा... ज्यादा समझदार मत बन।' मामला शुक्रवार शाम करीब चार बजे का है। रजाई बनाने वाले सोकत के अनुसार, पालिका कर्मचारी राजेश प्रजापत पहले भी कई बार उसके बेटे के पास आकर कभी 500 तो कभी इससे ज्यादा राशि ले जाता रहा है। इस बार वह 5100 रुपए मांगते हुए आया और धमकी दी कि पैसे नहीं दिए तो रात में मशीन हटवा देगा। जैसे ही सोकत ने मना किया और वीडियो बनाना शुरू किया, राजेश गाली-गलौज पर उतर आया और वीडियो बंद करवाने की कोशिश करने लगा। एक वीडियो में वह बाइक से उतरकर पीड़ित की ओर बढ़ता दिख रहा है, जबकि दूसरे वीडियो में वह किसी को फोन पर बात करता नजर आता है। तीसरी वीडियो में आसपास के लोग उसे घेरकर पूछ रहे हैं कि उसने गरीब व्यक्ति को गाली क्यों दी। सोकत का आरोप है कि राजेश दो बार उससे रजाई भी ले गया, लेकिन उसके पैसे अब तक नहीं चुकाए। कारोबार चलाने के नाम पर उससे पहले ही 2300 रुपए वसूले जा चुके हैं–एक बार 500 रुपए और दूसरी बार 1800 रुपए। सोकत ने कहा कि वह बार-बार धमकाकर पैसे लेता है और पर्ची का बहाना बनाकर लोगों को भ्रमित करता है। क्षेत्रवासियों ने बीचबचाव कर दोनों को समझाइश देकर मामला शांत कराया। दूसरी ओर राजेश प्रजापत ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह पालिका का सफाई कर्मचारी है और उसे अतिक्रमण का चार्ज भी दिया गया है। उसके मुताबिक वह केवल दुकान की पर्ची कटवाने और उसे जमा करवाने की बात कहने रुका था। राजेश का दावा है कि उसने किसी तरह की अवैध वसूली नहीं की। हालांकि दुकानदार और स्थानीय लोग उसके आरोपों को पूरी तरह गलत बता रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि पालिका ने किसी भी कर्मचारी को सड़क किनारे बैठकर वसूली करने या पर्ची काटकर पैसे इकट्ठा करने की जिम्मेदारी नहीं दी है। यही कारण है कि वह लगातार स्थानीय दुकानदारों को धमकाकर पैसा लेता रहा। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में लोग काफी नाराज हैं और पालिका कर्मचारियों की मनमानी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क किनारे छोटे काम-धंधों से गुजारा करने वालों से इस तरह की वसूली पहले भी हो चुकी है। दुकानदारों का कहना है कि जब भी किसी का वीडियो बनाया जाता है, कर्मचारी धमकी देकर वीडियो डिलीट करवाने का दबाव बनाते हैं। इस बार मामला कैमरे में कैद हो गया, जिससे पूरी सच्चाई सामने आई है। वीडियो सामने आने के बाद अब स्थानीय लोगों की मांग है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार कर्मचारी पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में गरीब मजदूरों और छोटे दुकानदारों के साथ इस तरह की वसूली और धमकाने की घटनाएं न हों।

एमबीबीएस छात्रों ने ली नैतिकता और मानव शरीर के सम्मान की शपथ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरकारी मेडिकल कॉलेज अलवर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष बैच 2025-26 के विद्यार्थियों ने शनिवार को आयोजित कैडेवरिक ओथ सेरेमनी में भाग लिया। यह सेरेमनी मेडिकल शिक्षा की शुरुआत में छात्रों में मानव शरीर के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और चिकित्सकीय नैतिकता विकसित करने के उद्देश्य से की जाती है। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. इंदु वर्मा, पूर्व प्राचार्य डॉ. दिनेश सूद, अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. कविता यादव और एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा विजय सहित फैकल्टी सदस्य शामिल रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि शुरुआती चरण में पर्याप्त कैडेवर उपलब्ध होना मेडिकल विद्यार्थियों की बुनियादी समझ को गहरा करता है और उन्हें क्लीनिकल शिक्षा के लिए मजबूत आधार देता है। इस सत्र में कॉलेज को अब तक 7 कैडेवर मिले हैं, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। यह कॉलेज का तीसरा बैच है और पहली बार शवों की इतनी उपलब्धता विद्यार्थियों के प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाएगी। एनाटॉमी विभाग में कैडेवर की बढ़ी संख्या से छात्रों को डिसेक्शन के अधिक अवसर मिलेंगे। आने वाले महीनों में और शव मिलने की संभावना है, जिससे पूरे बैच को व्यापक और संतुलित व्यावहारिक अनुभव मिल सकेगा।

खेड़ली-सौंखर और मुबारिकपुर नई पंचायत समितियां बनीं, भनोखर हुई खत्म- अब जिले में कुल 11 समितियां

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने जिले में पंचायत समितियों के पुनर्गठन की अधिसूचना जारी करते हुए दो नई पंचायत समितियों–खेड़ली-सौंखर और मुबारिकपुर–का गठन किया है। वहीं कागजों में मौजूद भनोखर पंचायत समिति का दर्जा समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ अब जिले में कुल 11 पंचायत समितियां होंगी। जिले से चार प्रस्ताव भेजे गए थे– खेड़ली-सौंखर, मुबारिकपुर, टहला और पिनान। लेकिन टहला और पिनान नहीं बन सके, क्योंकि इनके अलग बनने से राजगढ़ और रैणी की जनसंख्या 1.50 लाख की अनिवार्य सीमा से कम रह जाती। वहीं भनोखर पंचायत समिति कांग्रेस शासनकाल में बनी थी, लेकिन चुनाव न होने के कारण यहां प्रधानी गठित नहीं हो सकी और समिति कागजों में ही सीमित रह गई। खेड़ली-सौंखर समिति कठूमर और भनोखर से ग्राम पंचायतें हटाकर बनाई गई है। इसमें लाठकी-नूनिया, सौंखरी, मक्खन का नंगला, सालवाड़ी, पीपलखेड़ा, नाटोज, रामपुरा पाटन, खेरलीरेल, खौंखर, सौखर, दारोदा सहित कुल 24 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। वहीं मुबारिकपुर पंचायत समिति रामगढ़ से ग्राम पंचायतें हटाकर बनाई गई है, जिसमें खलौरा-खालसा नगर, बांधोली, खोह, नीकच, रघुनाथगढ़, रसवाड़ा, मुबारिकपुर, हाजीपुर, चौमा, बीजवा सहित 26 ग्राम पंचायतें जोड़ी गई हैं। पुनर्गठन में एक गड़बड़ी भी सामने आई है। पिनान को नई पंचायत समिति बनाने के प्रस्ताव में लक्ष्मणगढ़ की 6 पंचायतें शामिल होनी थीं, लेकिन समिति न बनने के बावजूद इन्हें रैणी में जोड़ दिया गया है। दूरी अधिक होने के कारण ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं नेत्र जागरूकता सभा का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा विधानसभा के ग्राम ककराली में बाबा गोरधन नाथ आश्रम में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं नेत्र जागरूकता सभा का आयोजन हुआ! कैंप के संयोजक अखिलेश यादव व आयोजन कर्ता जितेंद्र यादव ने बताया कि इस शिविर में आंखों के विशेषज्ञों द्वारा आंखों की देखभाल कैसे करें के बारे में बताया गया है, साथ ही सभी की मशीनों द्वारा निशुल्क आंखों की जांच की गई एवं आंखों की दवाइयां निशुल्क वितरित की गई। जिनकी आंखों का ऑपरेशन होना है उन्हें चिन्हित किया गया इस कैंप में 210 लोगों ने अपनी आंखों की निशुल्क जांच कराई ! यह कैंप डॉक्टर श्रॉफ आई के सौजन्य से लगाया गया इस दौरान आंखों के विशेषज्ञ डॉ.भूपेंद्र, अमित, अंजलि उपस्थित रहे।

शादी में हर्ष फायरिंग से मासूम की मौतः दूल्हा गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

खैरथल तिजारा जिले के मुण्डावर क्षेत्र के ग्राम जसाई में शादी समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग से मासूम की मौत के मामले में पुलिस ने दूल्हे राहुल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में बुधवार को हिरासत में लिया। घटना 17 नवम्बर की रात की है, जब राहुल चौधरी की शादी की तैयारियों के बीच डीजे बज रहा था। इसी दौरान दूल्हे ने अवैध हथियार से हर्ष फायरिंग की। अचानक चली गोली पास में खड़ी 6 वर्षीय वीरा को जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर छा गई। पुलिस ने मौके का मुआयना कर प्रमाण जुटाए और आरोपी दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार भी जब्त कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

जेडीसी से मिले जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि,बताई समस्याएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

ट्रांसपोर्ट नगर योजना सीकर रोड मामले में जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश जैन के नेतृत्व में व उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सिद्धार्थ अग्रवाल व जयपुर ऑटोमोबाइल्स संगठन के एक प्रतिनिधि जेडीसी आनंदी से मिले और ट्रांसपोर्ट नगर योजना सीकर रोड में आ रही समस्याओं के बारे में बताया। इस अवसर पर जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने जेडीसी आनंदी को बताया कि जिन लोगों के नाम सूची में हैं, परंतु अभी तक अलॉटमेंट लेटर जारी नहीं हुए, जिनको अलॉटमेंट लेटर जारी हो चुका है, लेकिन उनको पट्टा नहीं मिला है।, ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड में सड़क, बिजली, पानी की कमी है , साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से नई पुलिस चौकी स्थापित की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि साथ ही जिन ट्रांसपोर्टर्स को पुरानी लॉटरी में प्लॉट नहीं मिले, उनके लिए नई लॉटरी शीघ्र खुलवाई जाए। लगभग 40 मिनट चली इस वार्ता में जेडीसी आनंदी ने आश्वासन दिया कि उपर्युक्त सभी समस्याओं का निस्तारण जल्दी ही कर दिया जाएगा, तथा नई ट्रांसपोर्ट नगर योजना पर भी सरकार से चर्चा कर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

रविवार को जिले में आयोजित होगा उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस

2209 बूथों पर 03 लाख 80 हजार नौनिहाल गटकेंगे 'दो बूंद जिंदगी की'

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जिले में 23 नवंबर, रविवार को उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर द्वितीय जिले के 2209 बूथों पर 03 लाख 80 हजार नौनिहालों (0 से 5 वर्ष तक) को पोलियो रोधी खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद आगामी दिवसों में घर घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी बूथों पर प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, ए.एन.एम., आशा सहयोगिनी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियुक्त रहेंगे। इसके साथ ही टीमों द्वारा एस.आई.आर. के बारे में भी व्यापक जन-जागरूकता की जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को बूथ पर अवश्य लाएँ और पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान को सफल बनाएं। स्वास्थ्य विभाग की सभी तैयारियाँ पूर्ण हैं और अभियान के दौरान जिला स्तरीय अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे। आरसीएचओ डॉ. प्रमिला मीणा बताया कि आगामी दिवसों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें घर-घर जाकर खुराक से वचिंत नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। पल्स पोलियो टीकाकरण के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु क्षेत्र में 12534 वैक्सीनेटर और 713 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही 125 ट्रांजिक्ट टीमें और 529 मोबाईल टीमें कार्य करेंगी। इस प्रकार अभियान में कुल 13247 मैनपावर कार्यरत रहेगा।

विशेष गहन पुनरीक्षणः मतदाता दो स्थानों से प्रपत्र न भरें, दोहरी प्रविष्टि पाए जाने पर हो सकती है एक वर्ष तक की सजा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा,

उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से मृत मतदाताओं और दो स्थानों पर दर्ज नामों को हटाना है। अतः कोई भी मतदाता दो अलग-अलग स्थानों से गणना प्रपत्र भरने का प्रयास न करे।

दोहरी प्रविष्टि पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान

उप निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति द्वारा दोहरी प्रविष्टि की जाती है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए एक वर्ष तक की सजा दी जा सकती है। आयोग ने डिजिटल माध्यम से एक अत्यंत मजबूत प्रणाली विकसित की है, जो दोहरी प्रविष्टि को तत्काल पकड़ लेगी।

गणना प्रपत्र में यह जानकारी भरना होगी

ऊपरी भागः मतदाता को अपना फोटो, माता-पिता का नाम और मोबाइल नंबर भरना होगा निचला भागः इसमें SIR-2002 से संबंधित विवरण देना होगा। यदि वर्ष 2002 में मतदाता खुद सूची में शामिल था, तो अपनी जानकारी दर्ज करें। यदि नाम शामिल नहीं था, तो माता-पिता, दादा-दादी में से किसी एक की SIR-2002 से संबंधित जानकारी देनी होगी। विशेष स्थितिः यदि कोई व्यक्ति वर्ष 2002 में राजस्थान के बाहर किसी अन्य राज्य में रह रहा था और उस समय वहां की मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज है, तो वह चुनाव आयोग की वेबसाइट https//voters.eci.gov.in पर जाकर, वेबसाइट के स्ट्रह्म्1द्बष्ह्य सेक्शन में SIR-2026 पर क्लिक करने पर दो विकल्प दिखाई देंगे। सबसे पहले Search Your Name in Last SIR विकल्प पर जाकर अपनी विधानसभा से संबंधित जानकारी भरकर अपना सीरियल नंबर एवं विवरण देखें।

4 दिसंबर तक जमा कराने होंगे प्रपत्र

जिला निर्वाचन कार्यालय ने सूचित किया है कि बीएलओ को गणना प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। इस चरण में मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है। 9 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होगी, जिसके बाद दावे एवं आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026: शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति पर बीएलओ सम्मानित

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशस्ति पत्र देकर करेंगे उत्साहवर्धन

मुंडावर विधानसभा के भाग संख्या 128 एवं 181 में कार्य निष्पादन का उत्कृष्ट उदाहरण; 731 मतदाताओं के डेटा का समयबद्ध डिजिटाइजेशन पूर्ण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में संचालित 'विशेष गहन पुनरीक्षण-2026' अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले कार्मिकों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जिले में सर्वप्रथम मुंडावर क्षेत्र के दो बीएलओ पूरन सिंह यादव एवं रामकिशन ने शत प्रतिशत मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कर जिले में उत्कृष्ट कार्य किया। इन कार्मिकों ने अपने आवंटित क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्य को समय से पूर्व और शत-प्रतिशत पूर्ण कर जिले में कार्यकुशलता का परिचय दिया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 128 (चांदपुर) एवं भाग संख्या 181 (छावडीवास) की टीम ने प्रशासनिक दक्षता का परिचय देते हुए 100' कार्य पूर्ण किया है। उनके मतदान केंद्र पर कुल 731 मतदाता पंजीकृत थे। पूरन सिंह यादव ने चांदपुर गांव के सभी 352 एवं रामकिशन ने छावनी वास गांव के सभी 379 मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए, उन्हें संकलित किया और 22 नवंबर 2025 तक संपूर्ण डेटा ऑनलाइन कर दिया। प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए बीएलओ के प्रयासों को जिला स्तर पर रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित करने की पहल से जिले के अन्य कार्मिकों में कार्य के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ी है। उन्होंने अपेक्षा की है कि इस सम्मान से प्रेरित होकर जिले के अन्य बीएलओ और सहायक कार्मिक भी शेष कार्य को शीघ्रता और 'शून्य त्रुटि' के साथ पूर्ण करेंगे।

माइनिंग गतिविधियों से जुड़े मोबाइल एप और तैयार मॉड्यूल्स से संबंधित शत-प्रतिशत कार्य 15 दिसंबर से ऑनलाईन करने होंगे-प्रमुख सचिव माइंस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

खान विभाग में 15 दिसंबर से माइनिंग गतिविधियों से जुड़े ऑनलाईन माड्यूल्स, मोबाइल एप से संबंधित सभी कार्य पेपरलेस होंगे। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रचलित मॉड्यूल्स पर विभागीय अधिकारियों को ऑनलाईन ही काम करना होगा। 1 दिसंबर से इसकी मोनेटरिंग शुरु कर दी जाएगी और 15 दिसंबर के बाद इन मॉड्यूल्स पर ऑफलाइन कार्य पर पूरी तरह से रोक होगी। प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा व बीकानेर वृत के सभी अधीक्षण खनि अभियंता, खनि अभियंता, सहायक खनि अभियंता व सूचना सहायकों के ओरियंटेशन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पंचनामा और निरीक्षण के मोबाईल एप, वेबसाइट के साथ ही 14 मॉड्यूल्स तैयार किए गये हैं। इनमें से दोनों मोबाइल एप व 14 में से अधिकांश मॉड्यूल्स उपयोग में होने के बावजूद ऑफलाइन कार्य हो रहा है।

तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी की जनसुनवाई, आमजन से मिलकर समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

विधानसभा तिजारा में शनिवार को तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने भिवाड़ी,टपूकड़ा व तिजारा में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों से पंहुचे आंगतुको से मिलते हुए उनकी समस्याओं को सुना व समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा की विधानसभा क्षेत्र में आमजन की हितार्थ सभी अधिकारी निरन्तर कार्य कर रहे हैं। विधि सम्मत सभी कार्यों का निस्तारण किया जा रहा है। जहां किसी कर्मचारी अथवा अधिकारी द्वारा लापरवाही बरती जाने की शिकायत प्राप्त होती है उनके प्रति तुरंत संज्ञान लिया जाता है। उन्होंने कहा की विधानसभा के सभी प्रमुख क्षेत्रों में विकास और सौन्दर्यकरण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में अपराध रोकथाम के क्षेत्र में भी निरन्तर कार्य किया जा रहा है और अपराध व अपराधियों के प्रति सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में जहा अपराध और अपराधियों को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त था वहीं भाजपा शासन में इस सोच को बदला गया है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश व उनकी प्रेरणा से माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश विकास के नये आयाम स्थापित कर रहा है। तिजारा विधानसभा क्षेत्र अब विकास की राह पर है। आने वाले समय में भिवाड़ी सहित टपूकडा व तिजारा क्षेत्र में अनेक विकास के कार्य संपन्न होंगे जिनका लाभ स्थानीय जनता को मिलेगा।

भिवाड़ी में 90 लाख के तांबे की लूट की साजिश नाकाम, ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

राजस्थान के भिवाड़ी के चौपानकी थाना क्षेत्र में पुलिस ने 90 लाख रुपए के तांबे की लूट की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। हैरानी की बात यह है कि लूट की पूरी योजना खुद ट्रक ड्राइवर ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी ट्रक ड्राइवर को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके साथी फरार होने में कामयाब रहे।शनिवार देर रात चौपानकी पुलिस को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि औद्योगिक क्षेत्र के पास एक सुनसान स्थान पर तांबे से लदा ट्रक खड़ा है और कुछ लोग उसमें से माल निकालने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही थानाधिकारी सतीश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग भागने लगे। पुलिस ने दौड़कर ट्रक ड्राइवर देवकी गुर्जर (निवासी ग्राम दमालका, थाना हरसौरा, जिला अलवर) को पकड़ लिया। मौके से एक बोलेरो गाड़ी भी बरामद हुई, जिसका इस्तेमाल माल लूटने और ले जाने में किया जाना था। पूछताछ में देवकी गुर्जर ने स्वीकार किया कि उसने लालच में आकर अपने साथियों के साथ मिलकर यह पूरी साजिश रची थी। उसका इरादा ट्रक को लूट का रूप देकर 90 लाख रुपए का तांबा हड़पने और मालिक को धोखा देने का था।पुलिस ने तांबे से लदा ट्रक और बोलेरो गाड़ी जब्त कर ली है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। थानाधिकारी सतीश चौधरी ने बताया कि आरोपी ड्राइवर से गहन पूछताछ की जा रही है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर लिया जाएगा।पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मुखबिर की सूचना से करीब 90 लाख रुपए की संपत्ति लूट होने से बच गई।

जयपुर में गर्लफ्रेंड के साथ कार लूटीः डॉग को भी साथ ले गए; नर्सिंग कर चुकी युवती गिरफ्तार, बॉयफ्रेंड फरार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

शनिवार सुबह बदमाश गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर स्कूल ऑनर की कार लूटकर ले गए। बदमाशों ने ड्राइवर को पिस्तौल दिखाकर कार से उतारा। पिछली सीट पर बैठे स्कूल संचालिका के डॉग सहित कार को लेकर फरार हो गए। पुलिस ने नाकाबंदी की तो बदमाश कार और गर्लफ्रेंड को छोड़कर जंगल में भाग गए। पुलिस ने युवती को अरेस्ट कर लिया है। वहीं, डॉग को ऑनर के हवाले कर कार को जब्त किया है।डीसीपी (नॉर्थ) करन शर्मा ने बताया- लूट की वारदात ब्रह्मपुरी इलाके के सीतारामपुरा में स्थित स्कूल के बाहर हुई। ड्राइवर सुबह करीब 8:15 बजे स्कूल संचालिका को कार से छोड़ने आया था। स्कूल संचालिका को छोड़ने के बाद पालतू डॉग (चाउ चाउ) को लेकर वापस जाने के लिए बाहर निकला। डॉग को पिछली सीट पर बैठाकर ड्राइवर कार स्टार्ट करने लगा। इसी दौरान दूसरी साइड से एक बदमाश कार के अंदर आकर बैठ गया। दूसरे बदमाश ने ड्राइवर साइड का गेट खोला और पिस्तौल दिखाकर ड्राइवर को कार से नीचे उतारा। दोनों बदमाशों ने पिस्तौल के दम पर कार लूट की वारदात को अंजाम दिया। कार की पिछली सीट पर मौजूद पालतू डॉग को भी साथ ले गए। कुछ दूरी पर रास्ते में एक बदमाश की गर्लफ्रेंड खड़ी थी। बदमाशों ने उसे भी कार में बैठा लिया। इधर, ड्राइवर ने स्कूल के अंदर जाकर कार की ऑनर को लूट की वारदात के बारे में बताया।

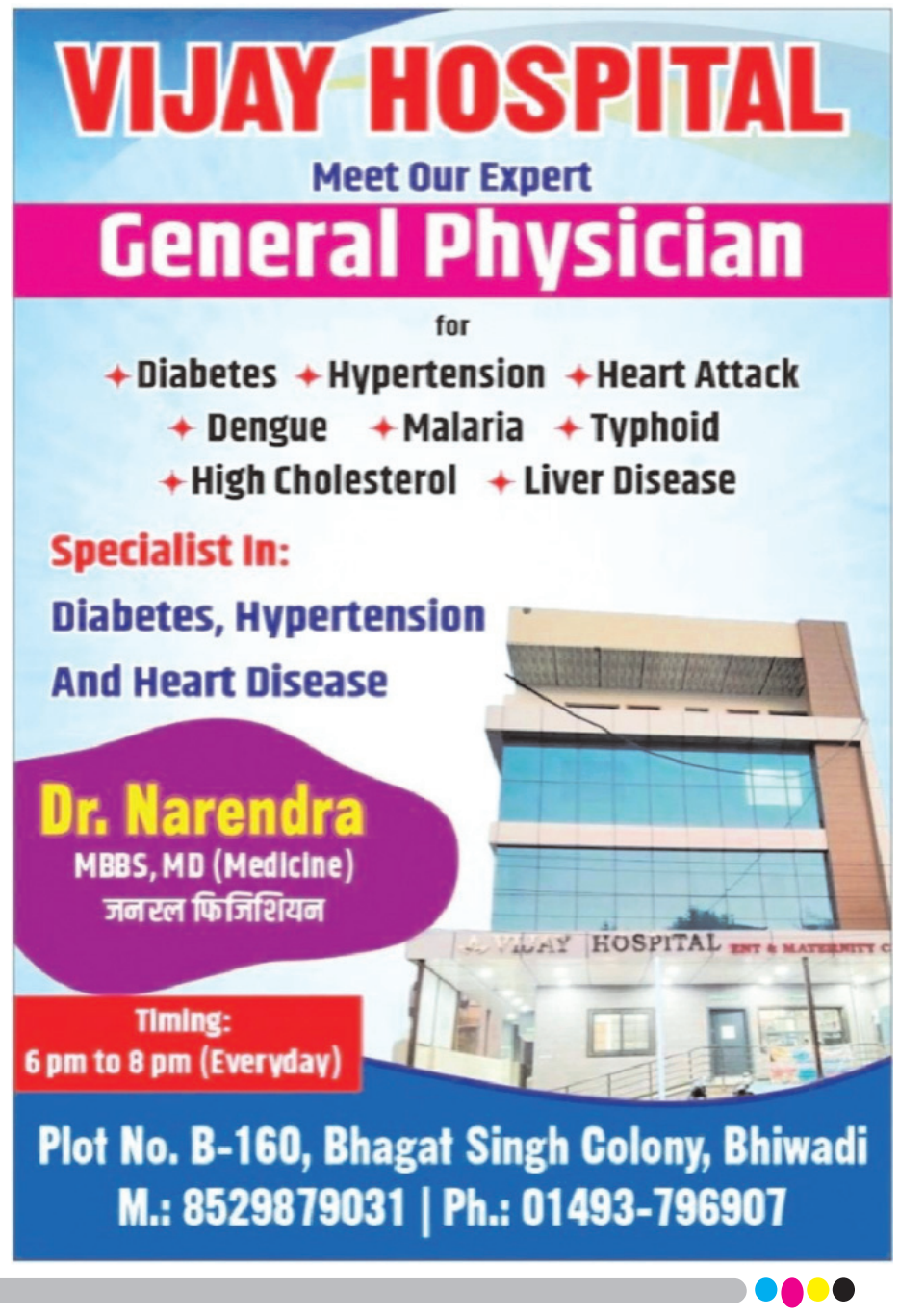

बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

संजय गोस्वामी

नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी...

बिहार में सारी राजनीती में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडूयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी । उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ो के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 1निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए एआईएमआईएम के प्रमुख ओबैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्रा बाबू नायडू से नीतीश ने सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट माँगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है । इसलिए सारी राजनीती गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी कोई चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सासंद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूँकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो

1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में कोई रिश्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,यही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल खत्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरी होटल में शि ट होते गए हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उसकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीए पार्टी है । उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है। बिहार में पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील कुमार मोदी जिस तरह बीजेपी में एक अच्छी छवि बनाई और एक नाम श्री नन्द किशोर यादव का भी है,जो पहले बिहार में एनडीए के संयोजक थे बाद में बिहार में मंत्री भी बने बाद में वे स्पीकर बने और 2025 में उनको टिकट ही नहीं मिला डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी गृह मंत्रालय दिया जा सकता था, जिस पर किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हैं, और बोलचाल में भी ठीक हैं अतः बीजेपी को इस बात पर भी ध्यान देने की जरुरत है,कि पार्टी में अच्छे लोगो और किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हो उसे ही अहम मंत्रालय मिले। ताकि उनके साथ जो आईएएस, आईपीएस रैंक के अधिकारी पढ़ लिख कर आते हैं, उन्हें शर्मिंदा न होना पड़े और एक अच्छी छवि भी बने डराने वाला नहीं शांति से बात करने वाला काबिल नेता हो और इससे अच्छे लोग पार्टी से जुड़े.नहीं तो बीजेपी और दूसरी पार्टी में क्या फर्क रह जायेगा जिसे जंगल राज से जोड़ कर देखा जाता है दरअसल ऐ बिहार है एक गरीब राज्य इसलिए यहाँ मलाई नहीं है इसलिए बीजेपी इस तरफ उतना दिमाग नहीं लगाएगी लेकिन पि म बंगाल बिहार से काफी अच्छा राज्य है जो महानागर की श्रेणी में वहाँ अब पुरी कोशिश होगी सरकार बनाने की जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के बीजेपी कार्यलय में कहा था कि गंगा वहाँ से बहकार बंगाल को जाती है और पि म बंगाल में जंगल राज खत्म करना है, लेकिन ऐ बात ही तो बताना नहीं चाहिए क्योंकि अब टीएमसी की सरकार ममता बनर्जी अलर्ट हो गई है और आगे की रणनीति पर काम करना भी चालू कर दिया है और लेडीज होने के नाते लेडीज का वोट भी बहुत अधिक मिलता है अतः वहाँ कुर्सी पानी है तो किसी लेडीज नेता को ही चुनाव में उतरना उचित होगा जिसका जनाधार भी हो फिलहाल ऐसा दिख नहीं रहा है।

संपादकीय

'एसआईआर' पर विवाद

लोकतंत्र से बड़ा और महत्वपूर्ण न तो चुनाव आयोग है और न ही मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण है। यदि चुनाव आयोग के इस शुद्धिकरण अभियान पर कुछ राज्य सरकारों की आपत्तियां और सवाल हैं, तो आयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ सुने और समन्वयवादी कार्रवाई करे। चुनाव आयोग अपनी संवैधानिकता के खोल में सिमटा, खामोश नहीं बैठा रह सकता। वह संसद और राष्ट्र के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है। सरकार बहाने बनाती रही है और बीते संसद सत्र के दौरान 100 से अधिक नोटिसों के बावजूद चुनाव आयोग पर चर्चा कराने से कन्नी काटती रही है। चूंकि लोकतंत्र में औसत मतदाता, यानी देश का नागरिक, ही सर्वोच्च है। वह मतदाता ही संसद और सरकार को चुनता है। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। सरकार ही चुनाव आयुक्तों का चयन करती है। इन तमाम समीकरणों के मद्देनजर संसद में चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर लंबी चर्चा होनी चाहिए। संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। दरअसल यह देश एक भी नागरिक की मौत या आत्महत्या की घटना को बर्दाश्त नहीं कर सकता। चुनाव आयोग यह मुगालता भी न पाले कि राज्यों में फर्जी और घुसपैठियों के वोट से ही सरकारें बनी हुई हैं। यह राजनीति है और चुनाव आयोग को ऐसी राजनीति में संलिप्त नहीं होना चाहिए। वह देश की संवैधानिक संस्था है। देश उसका बहुत सम्मान करता है, भरोसा करता है। लेकिन सिर्फ चुनाव आयोग ही सच्चा और सही है, समूचा विपक्ष गलत और दुष्प्रचारी है। विपक्ष भी लोकतंत्र में निर्वाचित पक्ष है। बेशक एसआईआर एक प्रशासनिक और विसंगतियों को दुरुस्त करने की अनिवार्य प्रक्रिया है, लेकिन वह मौत या आत्महत्या की प्रक्रिया साबित नहीं होनी चाहिए। हमें क्या, पूरे देश को यह स्वीकार्य नहीं होगा कि बंगाल, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान, मप्र आदि राज्यों में 'बूथ लेवल ऑफिसर' (बीएलओ) आत्महत्याएं करें अथवा काम के अत्यधिक दबाव और तनाव के कारण अकाल मौत के शिकार हों और चुनाव आयोग एसआईआर के आंकड़े ही गिनता रहे। देश में जनगणना की प्रक्रिया भी बाधित हुई है, तो एसआईआर के लिए चुनाव आयोग इतनी हड़बड़ी, जल्दबाजी में क्यों है कि एक ही माह में करीब 51 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड विशुद्ध करने पर आमादा है? जब 20 साल या अधिक अवधि तक मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण नहीं होता, तो क्या देश में चुनाव फर्जी या गड़बड़ वाली सूचियों के आधार पर किए गए?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। न हिंसा -अहिंसा - हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सवार्गीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत विचार हिंसा है। असत वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत चिंतन और असत वाणी की तरह असत व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत और असत दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुर्बोधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

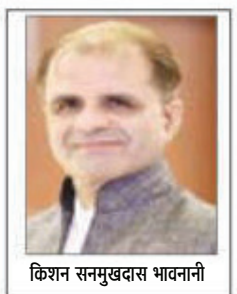

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, नि त रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से नि त रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खतरे की घंटी हैं अपराध की राह पर बढ़ते किशोर

मनोज कुमार अग्रवाल

हापुड़ (यूपी) में एक किशोर बेटे ने अपने दो दोस्तों की मदद से किसान पिता की गोली मारकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का मामला बता दिया। अब पुलिस जांच में पाया गया है कि पिता का कुसूर इतना था कि इकलौते बेटे की किसी गलती पर पिटाई की थी जिसका अंजाम बेटे ने पिता को खेत पर बुला कर गोली से उड़ा दिया। यह वारदात बता रही है कि समाज में नाबालिग मन मस्तिष्क कितने शातिर ढंग से अपराध कर रहे हैं।

पिछले कुछ माह में राजधानी दिल्ली के मुंडका में नाबालिग की गला रेतकर हत्या। फर्श बाजार में 73 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू घोंपकर हत्या। आनंद पर्वत में बदले के लिए युवक की हत्या। जहांगीरपुरी में वर्चस्व कायम करने के लिए युवक की हत्या। इन सभी हत्याओं का जिक्र कर रहे हैं, इन सभी को 14 से 17 साल के बीच के नाबालिग लड़कों ने अंजाम दिया। जिस उम्र में कंधे पर बस्ता और हाथों में कलम होना चाहिए, उसी उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया का रुख कर रहे हैं। इसके पीछे कारण चाहे कुछ भी हो, लेकिन पुलिस के लिए यह नाबालिग मुसीबत बन गए हैं।

पढ़ने की उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया में कदम बढ़ा रहे हैं। चोरी, लूटपाट ही नहीं, लोगों का खून बहा रहे हैं।सगे संबंधी पडोसी और परिचित के साथ भी वारदात करने में उनको जरा भी हिचक नहीं हो रही। कई नाबालिग अपराधी तो ऐसे हैं, जो बाल सुधार गृह जाकर भी नहीं सुधर रहे। वह वहां से बाहर आने के बाद अपराध के क्षेत्र में फिर से सक्रिय हो रहे हैं।

बीते दिनों दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिर तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिर तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है

सीलमपुर में 13 वर्षीय करण की हत्या इसका स्पष्ट उदाहरण है। यह समाज के लिए चिंता की बात है। जघन्य अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून लचर होने के कारण यह दुस्साहस बढ़ रहा है। नाबालिग अपराधियों के हाथों जिनके अपने मारे गए, वह कानून में बदलाव के जरिये सख्ती करने की मांग कर रहे हैं।

जाफराबाद में 11 जुलाई 2024 को भाई व दोस्त के साथ कपड़े खरीद रहे 15 वर्षीय मोहम्मद फैज की दुकान से बाहर निकाल बीच बाजार में गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस वारदात को नाबालिग शमिल था। उसे पुलिस ने पकड़ कर बाल सुधार गृह भेजा था। अब वह बाहर है। बालिग हो चुका है और हाल में उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने उसे एक अन्य अपराध के मामले में गिर तार किया है।

आरोपित गैंग्स्टर बन चुका है। मृतक के पिता मोहम्मद गुफरान का कहना है कि यह न्यायोचित नहीं है कि हत्या जैसा गंभीर अपराध करने वाले को इस बात पर रहम दे दिया जाए कि वह नाबालिग है।

न्यू सीलमुर के 17 वर्षीय कुणाल की इसी वर्ष 17 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में दो नाबालिग शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा था। कुछ ही महीनों में वह बाल सुधार गृह से बाहर आ गए। अब वह खुली हवा में सांस ले रहे हैं।यह स्थिति देख कर कुणाल के स्वजन का दम घुट रहा है। उसकी मां प्रवीन अब न्याय की उम्मीद छोड़ चुकी हैं।

अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है।

किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पतन भी एक वजह है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों द्वारा भी इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया जाता है । ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। नि य ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। कानून में समय परिस्थितियों की मांग के अनुसार परिवर्तन और सुधार करने की जरूरत है अब ऐसे गिरोह भी सक्रिय हैं जो नाबालिगो को कच्चा लालच देकर हायर कर संगीन वारदातों को साजिशन अंजाम दिला रहे हैं। बड़े गैंगस्टर भी इनको वारदातों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कुछ साल पहले चार नाबालिग लड़कों ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जज के कमरे में घुसकर गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू पर हमला करवा दिया था। इन लोगों ने छेनू को पांच गोली मारी, लेकिन उसके बाद भी वह जिंदा बच गया। हमले में दिल्ली पुलिस का एक हवलदार इन नाबालिगों की गोली लगने से मारा गया था। बाद में पता चला था कि छेनू के विरोधी नासिर ने इन नाबालिग शूटरों का इंतजाम किया था। इसके बाद से लगातार इन नाबालिगों के इस्तेमाल का तेजी से ट्रेंड बढ़ गया। मौजूदा समय में बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि नाबालिगो की परवरिश के लिए समाज में स्वस्थ माहौल की स्थापना की जाए उनके भीतर नैतिकता रोपी जाए ताकि बचपन भविष्य का अपराधी बनने से बचाया जा सके।

अलावड़ा में बिजली विभाग की बड़ी कार्रवाई, 53 हजार से अधिक बकाया पर 5 कनेक्शन काटे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलावड़ा

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड रामगढ़ की टीम ने शनिवार को बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए अलावड़ा कस्बे में पाँच उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए। सहायक अभियंता ओपी अग्रवाल के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में कुल ?53,218 से अधिक बकाया राशि होने पर संबंधित उपभोक्ताओं के बिजली मीटर भी मौके पर उखाड़ लिए गए। जानकारी के अनुसार, ग्राम अलावड़ा में कई उपभोक्ता लंबे समय से बार-बार विभागीय चेतावनी मिलने के बावजूद अपने बिल जमा नहीं कर रहे थे। इसके बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्धारित सूची के अनुसार पाँच घरेलू कनेक्शन काट दिए। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान कुछ बकायादारों ने अपने मीटर उखड़ते देख मौके पर ही बकाया बिल जमा कर दिया, जिसके बाद उनके कनेक्शन पुनः जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। अलावड़ा फीडर इंचार्ज बाबूलाल शर्मा ने बताया कि यह अभियान बकाया राशि की वसूली और उपभोक्ताओं में समय पर बिल जमा कराने की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे उपभोक्ताओं पर कार्रवाई जारी रहेगी जो बार-बार चेतावनी के बाद भी बिल भुगतान में लापरवाही बरतते हैं। अभियान के दौरान कनिष्ठ अभियंता लक्ष्मी मीना (रामगढ़), संजय शर्मा, प्रवेश कुमार, कैलाश शर्मा सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा कर सहयोग करने की अपील की है, ताकि भविष्य में किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

लोक कलाकार प्रवीण प्रजापत का भव्य स्वागत, गिनीज रिकॉर्ड और IGT में चयन पर उमड़ी खुशी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार प्रवीण प्रजापत के न्यू गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंडियाज गॉट टैलेंट के अगले राउंड में चयन को लेकर शनिवार को शहर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कंपनी गार्डन हैप्पी स्कूल के सामने से लेकर उनके आज़ाद नगर स्थित निवास तक निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने हिस्सा लिया। रैली में प्रजापति नवयुवक समिति के मुकेश प्रजापत, विजेंद्र कुमार ठेकेदार, डॉक्टर नेपाल सिंह, रामकिशोर, सूबेदार, संस्कृति नृत्य कला संस्थान के निर्देशक डॉक्टर शालू सोनी, नजराना कला संस्थान के संदीप सैनी, अमन भारती विकास संस्थान के इस्लामुद्दीन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने प्रवीण का अतिथि सत्कार कर सम्मान बढ़ाया। शहर के अन्य कलाकारों और नागरिकों ने भी उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। इंडियाज गॉट टैलेंट के दूसरे राउंड का प्रसारण शनिवार रात 9.30 बजे होगा, जिसमें प्रवीण ने अपने सर पर तीन गैस सिलेंडर रखकर अद्भुत नृत्य प्रस्तुत किया है। उनकी इस प्रस्तुति को देखकर नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और बॉलीवुड सिंगर शान मंत्रमुग्ध रह गए। सिद्धू ने उन्हें 'देश का असली हीरो' बताया, जबकि मलाइका अरोड़ा ने खुद उनके लिए चाय बनाई और उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। इससे पहले भी प्रवीण प्रजापत इटली में अपना ही गिनीज रिकॉर्ड तोड़कर नया विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। वे अमेरिकाज़ गॉट टैलेंट, फ्रांस गॉट टैलेंट और इंडियाज गॉट टैलेंट के पूर्व सीज़न में भी अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं। इस बार उनके साथ भपंग वादक अमन खान, देवेंद्र प्रजापत, कृष्ण गुर्जर, दीपक प्रजापत और झुमरू राजस्थानी भी मंच पर सहयोग दे रहे हैं। शहरवासियों ने प्रवीण की सफलता को अलवर का गौरव बताया और उनकी आगामी प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

ज्वेलरी शॉप में लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जयपुर में ज्वेलरी शॉप में लूट के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 48 किलोग्राम चांदी और 170 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं। लूट की वारदात जौहरी बाजार स्थित सिद्धि विनायक कॉम्प्लेक्स स्थित गजानंद ज्वेलर्स में 19 नवंबर की रात को हुई थी। मामला माणकचौक थाने का है। तीन बदमाशों ने कॉम्प्लेक्स का शटर और चैनल गेट तोड़कर दुकान में प्रवेश किया था। सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर जेवर लूटकर फरार हुए थे। डीसीपी नॉर्थ करण ने बताया कि आरोपी अकरम (24) पुत्र मेहरबान और हितेश प्रजापत (22) उर्फ संजू पुत्र ललित प्रजापत निवासी जयसिंहपुराखोर, जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने दो अन्य घटनाओं जयसिंहपुराखोर, जयपुर स्थित एक ज्वेलरी दुकान में नकबजनी और टोंक में 20 लाख रुपए की लूट करना कबूला है। दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। इनके विरुद्ध पहले भी चोरी, लूट, मारपीट आदि के कई प्रकरण दर्ज हैं। मामले में दो आरोपी तोहिद पुत्र खुर्शीद अली और अशफाक पुत्र कमरूद्दीन निवासी टोंक फरार है। बदमाशों ने वारदात से पहले रेकी की थी। घटना स्थल और आस-पास के 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। अपराधियों के आने-जाने का रूट चिह्नित किया गया। माणकचौक पुलिस ने दोनों बदमाशों अकरम और हितेश को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से 38 किलोग्राम चांदी (आभूषण और बर्तन), 170 ग्राम सोने के आभूषण और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई। अब तक कुल लगभग 48 किलोग्राम चांदी चोरी होना सामने आया है।

ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूती: 1.65 करोड़ की सड़कों का शिलान्यास

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शनिवार को कुल 1 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाली तीन मिसिंग लिंक सड़कों का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल द्वारा किया गया। इन सड़कों के निर्माण से कई ढाणियों और गांवों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। विधायक पटेल ने मल्लाला की ढाणी से ग्राम हांसियावास तक 85 लाख रुपये की लागत से 2 किमी सड़क, खटाणा की ढाणी से मुर्गी फार्म गोनेड़ा तक 35 लाख रुपये की लागत से 1 किमी सड़क तथा नवंरगपुरा सड़क से ढाणी कांकरिया तक 45 लाख रुपये की लागत से 1 किमी लंबी सड़क का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कें विकास के लिए आधारशिला होती हैं और इनसे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य गांवों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाना है ताकि ग्रामीण जीवन आसान हो सके और विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास जताया कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और गांव विकास की मुख्यधारा से और मजबूती से जुड़ेंगे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, राजवीर यादव, दाताराम शर्मा, सरपंच एड. देवेन्द्र रावत, विक्रम रावत, सरपंच रीना वर्मा, हव. कमलेश छावड़ी, एड. सीताराम छावड़ी, पूर्व सरपंच नाहरसिंह रावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ पद पर डॉ. मनोज यादव ने कार्यभार संभाला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में लंबे समय से रिक्त चल रहे चर्म रोग विशेषज्ञ के पद पर डॉ. मनोज यादव ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस पद के खाली रहने से मरीजों को उपचार के लिए जयपुर व अलवर जाना पड़ता था। अब स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अस्पताल के पीएमओ डॉ. पुष्कर राज गुर्जर ने बताया कि सर्दियों में त्वचा के शुष्क होने से जीरोसिस, सोरायसिस और एक्जिमा जैसे रोग बढ़ जाते हैं। विशेषज्ञ की नियुक्ति से अब मरीजों को समय पर जांच व उपचार मिल सकेगा। विधायक हंसराज पटेल से आग्रह के बाद डॉ. मनोज यादव को चर्म, एलर्जी व यौन रोग विशेषज्ञ के रूप में लगाया गया है। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज यादव ने कहा कि इस मौसम में मरीज गर्म पानी से स्नान कम करें, साबुन का कम उपयोग करें तथा नियमित मॉइश्चराइजर और नारियल तेल लगाएं। ऊनी कपड़ों के नीचे सूती एवं नर्म कपड़े पहनना लाभकारी रहता है। अधिक परेशानी होने पर मरीजों को विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लेना चाहिए। स्थानीय लोगों ने डॉक्टर की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में चर्म रोग उपचार सुविधाएं सुदृढ़ होंगी और मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

हरीताय नमः फाउंडेशन के पौधारोपण अभियान के 100 दिन पूरे, सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा को समर्पित हरीताय नमः फाउंडेशन ने अपने पौधारोपण मिशन के 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अभियान में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था प्राकृतिक संरक्षण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए लगातार जागरूकता और जनसहभागिता को बढ़ावा दे रही है। फाउंडेशन के अध्यक्ष महेश राज, कोषाध्यक्ष मदन प्रजापत और सचिव योगेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले 100 दिनों में गांव और आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण जागरूकता के कई चरणबद्ध प्रयास किए गए। पौधों को गोद लेने, पेड़ों की सुरक्षा, सफाई अभियान, जनहित जागरूकता और नशा मुक्ति के संदेश को फैलाने में संस्था ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। टीम के मुख्य सदस्य–भूपेंद्र जांगिड़, झाबर सिंह, यादराम खरेरा, नंद किशोर, जयपाल यादव, राकेश सैन, भूपेंद्र सिंह राघव, शेर सिंह उर्फ शेरा और पिंटू सिंह राघव–ने भी अभियान को गति देने में निरंतर योगदान दिया। सचिव योगेंद्र सिंह ने कहा कि 'सभी के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग से ही यह यात्रा यहां तक पहुंची है। आने वाले समय में हम इस अभियान को और बड़े स्तर पर आगे बढ़ाएंगे।' अध्यक्ष महेश राज ने बताया कि अगली योजनाओं में विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण शामिल है। कोषाध्यक्ष मदन प्रजापत ने युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि 'धरती को हरा-भरा बनाना हर नागरिक का उत्तरदायित्व है, और फाउंडेशन इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।' कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने और अगले 100 दिनों में दुगुनी ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प लिया।

हाइटेंशन लाइन घरों पर गिरी, बड़ा हादसा टला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

शाहजहांपुर की शिव कॉलोनी में शनिवार सुबह बड़ा हादसा टल गया, जब 11 केवी हाईटेंशन लाइन अचानक टूटकर सीधे घरों के ऊपर गिर पड़ी। करीब 10 बजे हुई इस घटना के दौरान गनीमत यह रही कि आस-पास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना गंभीर जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। यह हाईटेंशन लाइन लगभग 30 घरों के ऊपर से गुजरती है, जो लंबे समय से स्थानीय निवासियों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार यह लाइन पहले भी कई बार टूट चुकी है। शिव कॉलोनी के निवासी सुगन सिंह, मूल बाबूजी और कल्ली मीणा सहित अन्य लोगों ने बताया कि हर बार थोड़ी ही दूरी से बड़ी दुर्घटना टलती आई है। उनके मुताबिक, लाइन घरों की छतों के बिल्कुल ऊपर लटकी रहती है और नीचे अक्सर पशु भी बंधे रहते हैं, जिससे करंट लगने का खतरा लगातार बना रहता है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शनिवार को लाइन गिरने के समय कोई व्यक्ति पास में होता, तो भारी नुकसान हो सकता था। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से इस 11 केवी लाइन को तत्काल स्थानांतरित करने की मांग की है। शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई न होना लोगों के असंतोष का कारण बन गया है। उनका कहना है कि लंबे समय से इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया गया, जबकि हर बार ग्रामीणों की जान जोखिम में रहती है। कॉलोनी के लोग इस लाइन को सुरक्षित स्थान पर ट्रांसफर करने की मांग वर्षों से कर रहे हैं, लेकिन समाधान अब तक अधूरा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही हाईटेंशन लाइन को हटाकर सुरक्षित दूरी से नहीं गुजारा गया, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उनका कहना है कि विभाग की लापरवाही किसी भी समय गंभीर हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए तत्काल कदम उठाना आवश्यक है। शिव कॉलोनी के लोगों ने उम्मीद जताई है कि विभाग स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जल्द कार्यवाही करेगा, ताकि क्षेत्र में रहने वाले परिवार सुरक्षित महसूस कर सकें।

पुलिस निगरानी में यूरिया वितरण, किसान लाइन में खड़े होकर चक्कर खाकर घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

क्षेत्र में जारी खाद संकट के बीच शनिवार को ग्राम सेवा सहकारी समिति में पुलिस की निगरानी में यूरिया खाद का वितरण किया गया। सुबह से ही किसानों की भारी भीड़ केंद्र पर जुट गई, कई किसान सुबह 6 बजे से बिना खाना-पानी के अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। सहायक कृषि अधिकारी हेमराज सैनी ने बताया कि समिति में कुल 660 कट्टे यूरिया खाद पहुंचे थे, जिन्हें किसानों में वितरित किया गया। भीड़ अधिक होने और अव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने पुलिस बल को मौके पर तैनात किया, जिससे वितरण प्रक्रिया नियंत्रित ढंग से पूरी हो सकी। प्रत्येक किसान को केवल एक कट्टा ही उपलब्ध कराया गया, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक खाद पहुंचे। वितरण के दौरान लाइन में खड़े रहने से कई किसानों की हालत बिगड़ गई। इसी बीच पायला की ढाणी निवासी युवक हिमांशु यादव चक्कर खाकर जमीन पर गिर गया और सिर में चोट लग गई। मौके पर मौजूद किसानों ने उसे संभालकर चिकित्सा के लिए भेजा। खाद की सीमित उपलब्धता के कारण कई किसान खाली हाथ लौटे, जिससे उनमें निराशा देखने को मिली। किसानों का कहना है कि फसलों में खाद की अत्यंत आवश्यकता है और यदि जल्द पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं करवाई गई तो फसलों पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में खाद तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की। इस मौके पर कृषि पर्यवेक्षक मुंशी सैनी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

छात्राओं के लिए व्याख्यान माला का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ की ओर से छात्राओं के लिए व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. बबीता ने दहेज अधिनियम 1986, दहेज उत्पीड़न, महिला अधिकारों और नेत्रदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि दहेज प्रथा न केवल सामाजिक बुराई है, बल्कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती भी है। इस समस्या के समाधान के लिए समाज को जागरूक होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में नेत्रदान महादान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक नेत्रदाता मृत्यु के बाद अपने कॉर्निया का दान कर दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नई रोशनी दे सकता है। यह ऐसा पुण्य कार्य है जो किसी की अंधेरी दुनिया को हमेशा के लिए प्रकाशमय बना सकता है। संचालन प्रो. बरखा ने किया, जबकि स्वागत एवं आभार प्रकट करने का दायित्व प्रो. शोभा जौहरी ने निभाया। कार्यक्रम में डॉ. विकास यादव, प्रो. सुमन पूनिया, प्रो. ज्योति पाठक, प्रो. भूमिका खंडेलवाल सहित महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएँ भी शांति से दूर कीं।

एडिशनल एसपी ने बानसूर में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बानसूर

कोटपूतली-बहरोड़ के एडिशनल एसपी नाजिम अली ने शनिवार को बानसूर पुलिस थाने का दौरा करते हुए क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बानसूर, हरसौरा, बास दयाल और नारायणपुर थानों के प्रभारियों के साथ बैठक कर बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस रणनीति तैयार की। बैठक के दौरान हाल के दिनों में सामने आए आपराधिक मामलों, उनकी जांच की प्रगति और पुलिस गश्त व्यवस्था पर विशेष चर्चा हुई। एडिशनल एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी होगी। उन्होंने गश्त को नियमित करने, रात के समय पेट्रोलिंग बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण को भी आवश्यक बताया। उनके अनुसार, लंबित प्रकरणों की देरी से पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है और इससे अपराधियों का मनोबल भी बढ़ता है। इसलिए सभी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे पुराने मामलों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर जल्द से जल्द निपटारा सुनिश्चित करें। नाजिम अली ने थानों में आमजन की समस्या सुनने की संवेदनशीलता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस-जन सहयोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इस कारण थानों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने असामाजिक तत्वों पर और अधिक पैनी नजर रखने तथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। एडिशनल एसपी ने ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने, मुख्य सड़कों पर नियमित निगरानी रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसे प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा। बैठक में बानसूर डीएसपी मेघा गोयल, बानसूर थाना प्रभारी राजेश यादव, हरसौरा थाना प्रभारी जनमेजा राम, बास दयाल थाना प्रभारी रजनी और नारायणपुर थाना प्रभारी रोहिताश कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि आगामी दिनों में पुलिस की मौजूदगी और सक्रियता महसूस होगी, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025'- राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य पर होगा विशेष सत्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 10 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित किए जा रहे 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, ऊर्जा, खनन और जल संसाधन के साथ ही प्रदेश के औद्योगिक विकास और परिदृश्य पर भी विशेष सत्र का आयोजन होगा। इस सत्र के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र में भविष्य के लिए नए विचारों, साझेदारी और एक साझा विज़न पर विचार- विमर्श किया जाएगा और प्रवासी राजस्थानी समुदाय के प्रमुख सदस्य राज्य की औद्योगिक क्षमताओं और नए अवसरों पर चर्चा करेंगे। यह विशेष सत्र 'प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सहयोग से राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव' की थीम पर आयोजित किया जाएगा। सत्र में भारत और विदेश में अलग-अलग सेक्टर्स में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त करने वाले जाने- माने विशेषज्ञों का पैनल होगा। इस सत्र को हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड की चेयरपर्सन मती प्रिया अग्रवाल हेब्बार, वेलस्पन इंडिया लिमिटेड की सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर मती दीपाली गोयनका, जेके सीमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ माधव सिंघानिया, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संजय अग्रवाल और बोरोसिल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन प्रदीप कुमार खेरुका जैसी प्रमुख औद्योगिक हस्तियां संबोधित करेंगी। राज्य सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने कहा कि इस सत्र में उद्योग जगत की इन हस्तियों का भाग लेना राजस्थान के साथ उनके गहरे जुड़ाव को प्रदर्शित करता है

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया।

दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उधेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी

गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा । दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन

भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ज़िम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो । भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे ।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फ़ोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव

रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

अजमेर में महिला टीचर पर 45 लाख हड़पने का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

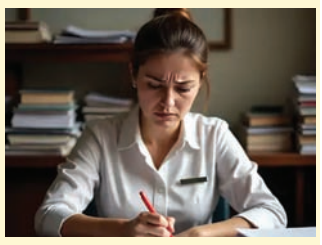

अजमेर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में महिला गवर्नमेंट टीचर के द्वारा धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया की महिला ने अपने 250 गज मकान को बेचने के नाम पर 45 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा के रहने वाले कुलदीप सिंह सोलंकी ने मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि आदर्श नगर निवासी गवर्नमेंट टीचर मंजूलता श्रीवास्तव से उनकी अच्छी जान पहचान थी। महिला के द्वारा एक दिन उसे और उसकी पत्नी से उसका 250 गज मकान को बेचने की बात कही थी। जिसकी बाजार में कीमत 1.5 करोड़ से ज्यादा बताई थी। पीड़ित ने बताया कि इसमें उसने अपने चार दोस्तों को शामिल कर महिला टीचर को भुगतान देना शुरू कर दिया। सभी के द्वारा करीब अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर करीब 45 लाख रुपए उसे दिए गए। लेकिन महिला टीचर ने षडयंत्र कर उससे लाखों रुपए हड़प लिए और उसके द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा और ना ही मकान की रजिस्ट्री करवाई जा रही है। संपर्क करने पर मुकदमे में फंसने की धमकी दी जा रही है। अलवर गेट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पाक- अफगानिस्तान में मिले पोलियो पॉजिटिव केस, जैसलमेर अलर्ट, आज 1.31 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

जैसलमेर जिले में 23 नवंबर को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान जन्म से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में 1,31,577 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का टारगेट तय किया गया है। ष्टस्राह्व डॉ राजेंद्र पालीवाल ने बताया- इस साल 25 जुलाई को अफगानिस्तान और 2 अगस्त को पाकिस्तान में पोलियो पॉजिटिव मरीज मिले हैं, इसी कारण भारत सहित सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पोलियो अभियान के लिए 32 सेक्टरों में 539 पोलियो बूथ व 463 स्टेटिक बूथ स्थापित किए गए हैं। अभियान में 3,134 वैक्सीनेटर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 76 स्टेटिक टीम, 542 मोबाइल टीम और 203 ट्रांजिट टीम बनाई गई हैं। पूरे अभियान पर निगरानी रखने के लिए 106 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं।

24 व 25 नवंबर को घर-घर जाकर पिलाई जाएगी दवा

23 नवंबर, रविवार को सभी निर्धारित बूथों पर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। वहीं यदि कोई बच्चा बूथ पर पहुंचने से वंचित रह जाता है तो उसे दवा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इसके लिए 24 और 25 नवंबर को स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा, आंगनवाड़ी कर्मचारी, सोशल वर्कर्स और वॉलंटियर्स घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस साल मिले मरीज

सीएमएचओ डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि पोलियो की वैक्सीन स्थायी पक्षाघात (लकवा) और मृत्यु जैसी स्थितियों से बचाने में बेहद महत्वपूर्ण है। यह अत्यधिक संक्रामक पोलियो वायरस के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस साल 25 जुलाई को अफगानिस्तान और 2 अगस्त को पाकिस्तान में पोलियो पॉजिटिव मरीज मिले हैं, इसी कारण भारत सहित सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। भारत को 2014 में पोलियो मुक्त घोषित किया गया था, लेकिन वायरस के दोबारा फैलने की संभावना को रोकने के लिए टीकाकरण अभियान लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के अभिभावकों से अपील की है कि 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो अभियान के हर दौर में दवा जरूर पिलाएं, चाहे वह पहले कई बार दवा ले चुके हों। यह बच्चों की आयु भर की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

श्रीगंगानगर में लाखों रुपए का डोडा पोस्त पकड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर जिले की चूनावढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन सीमा संकल्प' अभियान के तहत भारी मात्रा में लाखों रुपए का अवैध डोडा पोस्त पकड़ा है। इस दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 2 टू-व्हीलर जब्त किए हैं। चूनावढ़ थानाधिकारी रामप्रताप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि चूनावढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो आरोपी भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त लेकर श्रीगंगानगर शहर की तरफ से चूनावढ़ की ओर आ रहे हैं। जिसके बाद पुलिस टीम ने चूनावढ़ में हनुमान मंदिर के पास नाकाबंदी की। इस दौरान दो आरोपी एक स्कूटी और बाइक पर दो कट्टे लेकर शहर की ओर से आते हुए दिखाई दिए। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को रोककर उनकी चेकिंग की तो एक आरोपियों के कब्जे से 31 किलो 650 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंगत सिंह (42) और कपिल शर्मा (32) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों को कब्जे से नशा तस्करी में उपयोग लिए जाने वाले दो टू-व्हीलर भी जब्त किए हैं। पुलिस संभावना जता रही है कि आरोपियों से नशा तस्करी से जुड़े कई और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच लालगढ़ जाटान थानाधिकारी गुरमेल सिंह बराड़ कर रहे हैं।

भीलवाड़ा में बीएसएल फैक्ट्री में मजदूर की मौत पर बवाल: परिजनों ने दिया धरना

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के चित्तौड़गढ़ रोड स्थित बीएसएल फैक्ट्री में कार्यरत मजदूरकी शुक्रवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो जाने के बाद आज शनिवार को सुबह फैक्ट्री गेट पर जमकर हंगामा हुआ।परिजनों व फैक्ट्री श्रमिकों ने प्रबंधन पर बिना सूचना दिए अस्पताल में भर्ती कराने का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।करीब चार घंटे तक फैक्ट्री गेट पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा। मामला हमीरगढ़ थाना क्षेत्र का है, थाना क्षेत्र के खैराबाद निवासी छोटूलाल पुत्र जगा सालवी पिछले लगभग 20 सालों से बीएसएल फैक्ट्री में लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य कर रहा था।शुक्रवार शाम ड्यूटी के दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।अन्य श्रमिकों ने उसे भीलवाड़ा जिला अस्पताल पहुंचाया,जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना परिजनों को देर से मिलने पर ग्रामीणों और श्रमिकों में नाराज़गी फैल गई। आज सुबह मृतक के परिजन, फैक्ट्री मजदूर और ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री गेट पर एकत्रित हो गए।परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुए प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और उचित मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। मौके पर हमीरगढ़ थाना पुलिस पहुंची और परिजनों से बातचीत कर माहौल शांत करवाने का प्रयास किया।आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने शुरुआती तीन घंटों तक परिजनों से वार्ता नहीं की।इससे गुस्साए लोग उग्र होने लगे।स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को नियंत्रण में किया और वार्ता की शुरू करवाई। पुलिस की मध्यस्थता में फैक्ट्री प्रबंधन और मृतक के परिजनों के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत के बाद प्रबंधन ने मृतक की पत्नी व तीन बच्चों(दो लड़के,एक लड़की)को आर्थिक सहायता के रूप में 14 लाख रुपये देने व छोटूलाल की सैलरी की आधी राशि पेंशन के रूप में नियमित देने पर सहमति जताई।सहमति बनने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर दिया।मजदूर भी पुनः फैक्ट्री में लौटकर कार्य में जुट गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंपा ओर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

भाई की मौत के बाद छोटे भाई की शादी कैंसिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर के हलैना थाना इलाके में छोटे भाई की शादी से 4 दिन पहले पटवारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। बाइक सवार पटवारी को तेज रफ्तार केन्ट्रा (ट्रक) ने कुचल दिया। हादसे के बाद परिजनों ने छोटे भाई की शादी कैंसिल कर दी है। वहीं जिस घर में शादी की तैयारियां चल रही थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। मृतक का 6 साल का बेटा बार बार पूछ रहा है कि पिता कब आएंगे। परिजनों का कहना है- पटवारी कुलदीप शर्मा पुत्र श्रमण शर्मा शुक्रवार की दोपहर करीब 2 बजे विशेष गहन पुनरीक्षण(स्क्रह्व) के काम से जा रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया। वे सरसैना मोड़ से आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर चढ़े ही थे कि केन्ट्रा गाड़ी ने उन्हें चपेट में ले लिया, जिसमें उनकी मौत हो गई। कुलदीप के पिता श्रमण निवासी हलैना कस्बा ने बताया- मेरा बेटा राहीमगढ़ और गांगरौली में पटवारी के पद पर कार्यरत था। 25 नवंबर को मेरे छोटे बेटे सोनू शर्मा की शादी थी। हम सभी उसकी शादी के तैयारियों में लगे हुए थे। मैरिज गार्डन पर व्यवस्थाओं को देख रहे थे। कुलदीप का एक 5 साल का बेटा है। उसकी मौत के बाद सब कुछ खत्म हो गया। अब कोई शादी नहीं है। हमारे शादी वाले घर में मातम छा गया है। मेरा बड़ा बेटा चला गया, और मैं कुछ भी नहीं कर पा रहा हूं। श्रमण शर्मा ने बताया- शुक्रवार को कुलदीप के एक्सीडेंट की सूचना फोन पर मिली। जब मैं घटनास्थल पर पहुंचा तो, देखा कि कुलदीप का गला कटा हुआ था। उसकी आंखें निकली हुई थी। वह स्क्रह्व के काम से जा रहा था। रास्ते में किसी गाड़ी ने उसका एक्सीडेंट कर दिया। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कुलदीप और सोनू नाम का युवक दोनों अलग-अलग बाइक से सरसैना मोड़ से आगरा- जयपुर नेशनल हाईवे पर चढ़े थे। भरतपुर से जयपुर की तरफ एक केन्ट्रा जा रहा था। तभी केन्ट्रा ने पहले कुलदीप और बाद में सोनू की बाइक को टक्कर मारी। कुलदीप की बाइक में टक्कर लगते ही कुलदीप सड़क पर गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही सोनू की बाइक में टक्कर लगी, तभी सोनू भी सड़क पर गिर गया, लेकिन उसकी बाइक केन्ट्रा के नीचे फंस गई। केन्ट्रा का ड्राइवर बाइक को करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। घटना के बाद ड्राइवर केन्ट्रा को छोड़कर मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है।

रॉन्ग साइड आ रही बोलरो ने स्कूटी को मारी टक्कर: बहन की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

डूंगरपुर जिले के दोवडा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक युवती की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। यह घटना पगारा गांव के पास हुई, जब एक बोलेरो गाड़ी ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। दोवडा थाना पुलिस के अनुसार, कातरवा फला निवासी कांतिलाल मीणा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि आज सुबह कांतिलाल अपनी बहन बबली के साथ स्कूटी पर अपनी दूसरी बहन के घर डाबेला जा रहे थे। पगारा गांव के पास एक बोलेरो गाड़ी गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से आई और उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में बबली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कांतिलाल घायल हो गए। घायल कांतिलाल को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंची, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अजमेर के रामसेतू ब्रिज पर जाम से परेशानी व्यापारी: कहा- दोनों भुजाओं का मोडिफिकेशन किया जाए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर के रामसेतु ब्रिज की आगरा गेट और केसरगंज पर उतरने वाली भुजा पर ट्रैफिक के कारण हो रहे जाम से व्यापारी परेशान हैं। शनिवार को एलिवेटेड ब्रिज समाधान समिति से जुड़े हुए व्यापारियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नाम ज्ञापन दिया। स्पीकर वासुदेव देवनानी को ज्ञापन देकर इन दोनों भुजाओं की मोडिफिकेशन की मांग की गई है। जिससे कि शहर में लग रहे जाम से व्यापारियों को निजात मिल सके। शनिवार को एलिवेटेड ब्रिज समाधान समिति से जुड़े व्यापारिक आगरा गेट सोनी जी की नसिया की तरफ उतरने वाले ब्रिज पर इकट्ठा हुए और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नाम ज्ञापन दिया। व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष किशन गुप्ता ने बताया- अजमेर में निर्मित एलिवेटेड रोड के कारण आगरा गेट एवं केसरगंज भुजा पर प्रतिदिन गंभीर ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके परिणाम स्वरुप केसरगंज, मदार गेट, ब्लू केसर, पुरानी मंडी, नया बाजार, आगरा गेट, डिग्गी बाजार सहित समस्त शहरी क्षेत्र के व्यापारिक वर्ग एवं आमजन को अत्यधिक सुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष ने कहा लगातार जाम की स्थिति के कारण बाजारों में आने वाले ग्राहकों को मार्ग में ही जाम से जूझना पड़ता है। इससे व्यापार उल्लेखनीय रूप से प्रभावित हुआ और यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन चुकी है।

मोडिफिकेशन की मांग की गई

अध्यक्ष ने कहा- इसे लेकर व्यापारियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नाम ज्ञापन दिया है। यह ज्ञापन एलिवेटेड ब्रिज समाधान समिति की ओर से दिया गया। ज्ञापन के जरिए जनहित या व्यापार हेतु को ध्यान में रखते हुए एलीवेटर रोड की दोनों भुजाओं के मोडिफिकेशन की मांग की गई है। आगरा गेट भुजा का उतराव बिंदु मित्तल मॉल के निकट निर्धारित करने और केसरगंज भुजा का उतराव मोनिया इस्लामिया स्कूल के बाद निर्धारित करने की मांग की गई है। अध्यक्ष ने कहा कि इन संशोधन से न केवल शहर में सुगम एवं व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित होगा, बल्कि शहर की सुंदरता बढ़ेगी और विभिन्न बाजारों में व्यापारिक गतिविधियां भी पुणे सुचारू रूप से संचालित हो सकेंगी।

बिसाऊ में प्लास्टिक की थैली में लिपटा नवजात मिला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा झुंझुनूं

झुंझुनू जिले के बिसाऊ कस्बे में शनिवार भीखनसर सड़क मार्ग पर स्थित श्मशान घाट के पास गंदे पानी के किनारे एक नवजात शिशु प्लास्टिक की थैली में लिपटा हुआ पड़ा मिला। कुछ ही घंटे पूर्व जन्मे इस मासूम की हल्की रोने की आवाज ने उसकी जिंदगी बचा ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। अस्पताल ले जाया गया। यहां से झुंझुनूं के अस्पताल में रैफर कर दिया गया। राजकीय बीडीके अस्पताल की नवजात शिशु इकाई में भर्ती किया गया है। डॉ. भाम्बू ने बताया कि नवजात शिशु का वजन 2.5 किलोग्राम है। उसके शरीर के तापमान में हल्की कमी दर्ज की गई है, हालांकि, सांस की गति सामान्य है। चिकित्सकों के अनुसार, शिशु का जन्म लगभग 12 से 48 घंटे पहले हुआ प्रतीत होता है।गंभीरता को देखते हुए नवजात को तत्काल आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां स्टाफ, रेजीडेंट डॉक्टर्स और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निरंतर उपचार जारी है। नवजात शिशु इकाई के प्रभारी डॉ. विजय झाझड़िया ने बताया कि नवजात शिशु की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बच्चे की दुग्धपान करने की क्षमता सही है और आंत्र परिपक्व होने के कारण उसे प्रति दो घंटे के अंतराल पर फीड देना शुरू कर दिया गया है। घटना सुबह करीब 10 बजे की है, जब बिसाऊ निवासी मदनलाल पुत्र तेजाराम और आसपास के कुछ लोग वहां से गुजर रहे थे। अचानक उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी।

भीलवाड़ा में नदी किनारे मिट्टी के ढेर में धंसे 2-युवक, मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

नदी के किनारे ट्रैक्टर में मिट्टी भर रहे 2 युवक इसमें दब गए। आसपास खड़े मजदूर तुरंत गेती-फावड़ा लेकर उन्हें बचाने पहुंचे। करीब आधे घंटे खुदाई करने के बाद मिट्टी के ढेर से दोनों के शव बरामद हुए। दम घुटने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मौत की खबर सुनते ही परिजन वहीं बैठ गए और रोते रहे। परिजनों ने कहा- बेटा दबकर मर गया कहां जाएं, सुबह कहकर निकला था। 2 घंटे में आ जाऊंगा। 50 रुपए लेकर गया था। मामला भीलवाड़ा के सदर थाना इलाके की कोठारी नदी का सुबह 8 बजे का है। सदर थाना स्राह्व कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया- सुबह 6-7 युवक ट्रैक्टर ट्राली लेकर सदर थाना क्षेत्र में कामधेनु बालाजी मंदिर के पीछे कोठारी नदी में मिट्टी भरने पहुंचे थे। ये यहां नदी में से मिट्टी निकाल कर ट्रेक्टर में भर रहे थे इसी दौरान मिट्टी ढेर ढह गया। मृतकों की पहचान दीपू सिंह (27) पिता भंवर सिंह और पूरण (29) पिता दुर्गा लाल बागरिया के रूप में की। दोनों के शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किए जाएंगे। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। दीपू की मां जशोदा राजपूत ने बताया- वह सुबह 6 बजे निकला था। कहा था मिट्टी भर के वापस आ जाऊंगा। मुझे 50 रुपए लिए थे और कहा था 2 घंटे में वापस आ जाऊंगा। मिट्टी में दब के मेरा बेटा मर गया साहब, अब कहां जाएं। पिता बोला- बेटे को मार दिया वहीं पूरण के पिता दुर्गा सिंह ने बताया- मेरे बेटे को सुबह 4 बजे रेत भरने ले गए थे। मार दिया उसे। मैंने मना किया था मत ले जाओ, मत ले जाओ, लेकिन ले गए। वह बाहर ही नहीं आ पाया। मेरा एक ही बेटा था, वह भी गया। मैं भी बीमार रहता हूं। हमारे तो बुढ़ापे का सहारा छिन गया।

उदयपुर में बीएलओ का आरोप

सरपंच ने की मारपीट की कोशिश: कहा- सुरक्षा के लिए पत्नी ने मुझे कमरे में बंद रखकर बचाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर में वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहे एक बीएलओ पर हमला करने का मामला सामने आया है। बीएलओ ने गांव के प्रशासक (सरपंच) पर हमले का आरोप लगाया है। बीएलओ ने पुलिस को दी FIR में कहा कि जब भी वह एसआईआर के काम के लिए निकलता है। प्रशासक अपने कुछ लोगों के साथ उसका पीछा करता है। एक दिन पत्नी ने बीएलओ को घर के कमरे में सुरक्षा के लिए बंद रखा था। इस संबंध में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह मामला उदयपुर जिले के खेरोदा पुलिस थाना क्षेत्र से सामने आया था। खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई ने बताया- वल्लभनगर विधानसभा के भाग संख्या 151 में काम कर रहे बीएलओ सवलाल मीणा (58)ने थाने में दी रिपोर्ट पर पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है।

अब समझे पूरा मामला

बीएलओ सवलाल ने रिपोर्ट में बताया कि मैं 15 नवंबर को एसआईआर के फॉर्म इकट्ठे कर घर जा रहा था। इस दौरान शाम 7.40 बजे नागलिया गांव के सरपंच मनमोहन मीणा ने कार से हमला करने का प्रयास किया। वहां से भागकर मैंने अपनी सुरक्षा की। इस बीच उसी दिन रात करीब 9.30 बजे वे फिर मेरे घर पर हमला करने के लिए कार मे पांच-सात व्यक्तियों को बैठा कर लाया और हमला किया। बीएलओ ने कहा- पत्नी राधी ने मेरे को कमरे मे बंद कर दिया। मेरी सुरक्षा की। बीएलओ ने बताया- अगले दिन 16 नवंबर को फॉर्म इकट्ठे करके रायला गांव से नागलिया अपने घर पर लौट रहा था। इस दौरान बडाखाल चौराहा पर फिर कार से हमला करने का प्रयास किया। बीएलओ मीणा ने बताया कि 20 नवंबर को मै एसआईआर के फॉर्म देने गया तो देखा कि वो लोग मेरी रैकी कर रहे हैं। वहां रास्ते में आंगनवाड़ी में देखकर मेरे पीछे लगे, लेकिन मैं वहां से भाग कर घर पहुंच गया। इसके बाद सुरक्षा को लेकर बीएलओ ने पुलिस की शरण ली। इस बीच बीएलओ मीणा ने 20 नवंबर की शाम को खेरोदा थाने जाकर पूरा मामला बताया और एक लिखित रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामले को दर्ज कर लिया। इसमें अनुसंधान शुरू कर दिया है। बता दें कि बीएलओ सवलाल मीणा नागलिया गांव का निवासी है। वह सरकारी शिक्षक है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला, धारा 126(2) गलत तरीके से रोकने और 189(2) की धारा लगाई है।

बांके बिहारी मंदिर में जगमोहन हॉल से दर्शन करने पर लगी रोक, सुप्रीम कोर्ट समिति का फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति ने बांके बिहारी मंदिर में सीढ़ियां चढ़ने और जगमोहन हॉल से दर्शन करने पर रोक लगाने का आदेश दिया है। मंदिर के पुजारियों द्वारा समिति के निर्देश को न मानने के बाद यह फैसला लिया गया है। जगमोहन हॉल बांके बिहारी मंदिर के गर्भ गृह और आम लोगों द्वारा भगवान के दर्शन करने वाली जगह के बीच की जगह है। स्थानीय परंपराओं के अनुसार, श्रद्धालु आम तौर पर इस स्थान में नहीं घुस सकते और सिर्फ मंदिर के पुजारी ही यहां विशेष पूजा करा सकते हैं। हालांकि शनिवार को इस स्थान पर किसी की भी एंट्री को प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्च स्तरीय 12 सदस्यीय समिति ने जारी किया है, जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज अशोक कुमार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह समिति मंदिर के रोजाना के कामकाज का प्रबंधन करने के लिए गठित की थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शनिवार से जगमोहन एरिया के ऊपरी बाएं और दाएं हिस्से में किसी भी विजीटर की एंट्री पर रोक रहेगी। इससे पहले, कुमार ने कमेटी के एक सदस्य और पूर्व जिला जज मुकेश कुमार के साथ मंदिर परिसर का साइट इंस्पेक्शन किया। कुमार ने कहा कि कई गड़बड़ियां देखने के बाद, कमेटी ने संबंधित 'सेवायतों' को दर्शन करने वालों की भीड़ को मैनेज करने में हर मुमकिन मदद करने का निर्देश दिया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनसे कोई अच्छा सहयोग नहीं मिला। कुमार ने यह भी कहा कि भक्त जगमोहन इलाके के दोनों तरफ सीढ़ियां चढ़कर दर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। भीड़ में छोटे बच्चे भी शामिल रहते हैं। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ 'ठाकुरजी' की इज्जत पर असर पड़ा, बल्कि भीड़भाड़ वाले इलाके में कोई अनहोनी होने की भी पूरी आशंका थी। कुमार ने मंदिर के कार्यकारी प्रबंधक को आदेश का सख्ती से पालन करने और जगमोहन से चंदन कोठरी तक जाने वाले रास्ते/दरवाजे को बंद करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली बम विस्फोट के बाद एक चौथाई हुईं पाकिस्तान की जाने वाली फोन कॉल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कानपुर

दिल्ली विस्फोट के बाद पाकिस्तान को जाने वाली मोबाइल फोन कॉल में एकदम से कमी आई है। यह घटकर एक चौथाई रह गई है। इस कमी पर जांच एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी जुटाई जा रही है। पहले हर दिन 200 के आसपास कॉल की जा रही थी लेकिन अब 40 से 50 कॉल हो रही है। बाहर से आने वाली कॉल पर भी कमी आई है। पुलिस,

एलआईयू और अन्य जांच एजेंसियां हर पहलुओं पर जांच कर रही हैं। शहर में 50 से अधिक ऐसे लोग हैं जो पाकिस्तान से आकर रह रहे हैं। इसी तरह यहां के रहने वालों के रिश्तेदार पड़ोसी देश में रह रहे हैं। उनके बीच सुख-दुख के साथ हर तरह की बातचीत होती है। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन 10 नवंबर को दिल्ली में विस्फोट होने के बाद से परिवर्तन हो गया। पुलिस, एलआईयू, एनआईए, एटीएस, आइबी समेत अन्य जांच एजेंसियों ने संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी। डॉ. शाहीन और डॉ. परवेज अंसारी का पाकिस्तानी कनेक्शन खंगाला जाने लगा। जांच एजेंसियों ने चमनगंज, बेकनगंज समेत कई संवेदनशील क्षेत्रों में दबिश दी। वहां से जानकारियां जुटाईं। इसका असर पाकिस्तान जाने वाली कॉल पर पड़ा। सूत्र बताते हैं कि शहर से सामान्य दिनों में 200 के आसपास कॉल पाकिस्तान जाती थी जबकि विस्फोट और जांच एजेंसियों के सतर्क होने पर घटकर एक चौथाई हो गई। इसके पीछे आमजन में सामान्य डर हो सकता है या फिर किसी तरह के विवाद में फंसने से बचने के लिए उठाया गया कदम है। फिलहाल, जांच एजेंसियों ने कॉल की डिटेल निकाल ली है, जिसका आकलन किया जा रहा है। कुछ संवेदनशील कॉल भी आईं और गईं हैं। सूत्र बताते हैं कि जांच एजेंसियां देर रात या एक दम तड़के की गईं फोन कॉल पर नजर रखे हुए है। यह कॉल पाकिस्तान के किस हिस्से में की गई हैं इसका डेटा भी तैयार किया जा रहा है। विस्फोट के बाद से व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम कॉल के माध्यम से पाकिस्तान में कॉल करने की संभावना है। कमिश्नरी पुलिस के अधिकारी इस पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस और एलआईयू जरूर गुप्त तरीके से संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है।

खगोलीय घटनाः नासा ने खोजा सौरमंडल से भी पुराना धूमकेतु, एलियन सभ्यता के दावा को नकारा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

नासा ने अंतरिक्ष से ली गई नई तस्वीरों में एक दुर्लभ अंतरतारकीय धूमकेतु थ्री आई-एटलस को दर्ज किया है, जिसे वैज्ञानिक हमारे सौरमंडल से भी पुराना मान रहे हैं। यह वस्तु जुलाई में खोजी गई थी और अब पृथ्वी के पास से सुरक्षित दूरी पर गुजर रही है। कुछ वैज्ञानिकों की ओर से इसे एलियन तकनीक होने के दावे

पर नासा ने स्पष्ट जवाब दिया है कि यह पूरी तरह प्राकृतिक धूमकेतु है। थ्री आई-एटलस को पहली बार जुलाई में चिली स्थित एस्टेरॉयड टेरेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम (एटीएलएएस) दूरबीन ने देखा था। इसकी अनोखी कक्षा से पता चला कि यह सौरमंडल का स्थायी सदस्य नहीं है, बल्कि किसी दूरस्थ तारे या क्षेत्र से गुजरते हुए यहां पहुंचा है। इसके अक्तूबर-नवंबर में सही स्थिति व डेटा मिला। तब जाकर नासा ने स्पष्ट और सत्यापित तस्वीरें जारी कीं। मानव इतिहास में अब तक केवल तीन अंतरतारकीय वस्तुएं ही दर्ज की गई हैं। वन आई ओउमुआमुआ (2017),टू आई बोरिसोव (2019) और थ्री आई-एटलस (2024), ये सभी सौरमंडल में प्रवेश कर आगे अपनी यात्रा पर निकल गईं। मूल रूप से धूमकेतु बर्फ, धूल और चट्टानी पदार्थों से बने होते हैं। सूर्य के करीब आने पर गर्मी के कारण गैस और धूल बाहर निकलती है, जिससे चमकदार कोमा और पूंछ बनती है। नासा की ओर से जारी नई तस्वीरों में थ्री आई-एटलस थोड़ा धुंधला दिख रहा है, लेकिन उसकी कोमा और धूल की पूंछ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इससे यह पुष्ट होता है कि यह एक सामान्य धूमकेतु की तरह ही व्यवहार कर रहा है। थ्री आई-एटलस ने वैश्विक ध्यान तब खींचा जब एक वैज्ञानिक ने अनुमान लगाया कि यह वस्तु किसी एलियन सभ्यता की तकनीक हो सकती है। नासा ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा, यह एक धूमकेतु है। दिखता भी धूमकेतु जैसा है और व्यवहार भी धूमकेतु जैसा ही कर रहा है। किसी भी प्रकार की तकनीकी सक्रियता का प्रमाण नहीं मिला है।

ढाई साल बाद कर्नाटक कांग्रेस में फिर शुरू हुई कुर्सी की लड़ाई, पद छोड़ने के मूड में नहीं सिद्धरमैया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सरकार के गठन के समय पार्टी के दो बड़े नेताओं सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच जो टसल शुरू हुई थी, वह एक बार फिर सामने आने लगी है। इसको लेकर पिछले कुछ दिनों से सियासी गलियारों में बहस तेज होने लगी है कि क्या कांग्रेस सिद्धरमैया को बदलकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाएगी। चर्चा यह भी है कि दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के लिए पार्टी सीएम की कुर्सी साझा करने के फॉर्मूले पर सहमत हुई थी। सत्ता साझा करने पर बनी सहमति के बारे में कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है, लेकिन दोनों ही नेताओं के समर्थक अपने-अपने पक्ष में दावे कर रहे हैं। इसे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। सिद्धरमैया ने 20 नवंबर को ही

मुख्यमंत्री के तौर पर ढाई साल पूरे किए हैं। कांग्रेस सूत्रों के हवाले से आई खबरों में बताया कि शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर दबाव बनाने के मकसद से कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन विधान परिषद सदस्य दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। दो साल पहले कांग्रेस 224 सदस्यों वाली कर्नाटक विधानसभा में 135 सीटों के साथ सत्ता में आई थी। तब के दिनों में किसी राज्य में कांग्रेस की यह बड़ी जीत थी। लेकिन पार्टी इस का जश्न ठीक से मना भी नहीं पाई थी कि सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर ठन गई। पार्टी आलाकमान ने उस समय तो किसी तरह मामले को संभाल लिया। लेकिन एक बार कर्नाटक में कांग्रेस का नाटक खुलकर सामने आ गया है। पार्टी को सख्त चेतावनी देनी पड़ी है और अपने विधायकों और नेताओं पर नेतृत्व को लेकर सार्वजनिक बयान देने से रोकना पड़ा है। शिवकुमार के समर्थकों के दिल्ली में डेरा डालने के बीच सीएम सिद्धरमैया ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा। कहा कि नेतृत्व में बदलाव, कैबिनेट में फेरबदल या सरकार के पुनर्गठन पर फैसला कांग्रेस हाईकमान को करना है। सीएम सिद्धरमैया के बयान पर शिवकुमार ने कहा कि मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। हम सब मिलकर काम करेंगे। सिद्धरमैया मुख्यमंत्री पद छोड़ने के मूड में नहीं लग रहे है। नेतृत्व के मुद्दे पर नेताओं और विधायकों को चुप कराने के पार्टी नेतृत्व को वह अपने पक्ष में मान रहे हैं। उनका साफ कहना है कि पार्टी नेतृत्व जो कहेगा उसे उन्हें और शिवकुमार को मानना होगा। मुख्यमंत्री बने रहने को लेकर वह पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहे हैं। विधायकों के दिल्ली में डेरा जमाने को भी वह महत्व नहीं देते। वहीं, शिवकुमार विधायकों का बचाव करते हैं। उनका कहना है विधायकों को अपने शीर्ष नेताओं से मिलने का हक है। आप उन्हें रोक नहीं सकते हैं। शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी है। बीच में खबर आई थी कि उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ने का मन बनाया है। वह सिद्धरमैया से किसी मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं। उनका साफ कहना है कि उन्होंने सारी जिम्मेदारी शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ दिया है। उनका कहना है कि सीएम हाईकमान की बात मानेंगे और वह भी वैसा ही करेंगे। इसलिए अब बात उनके और हाईकमान के बीच है।

टीटीपी के बढ़ते आतंक ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था की खोली पोल, खैबर पख्तूनख्वा में 17 आतंकी ढेर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक बार फिर आतंकी गतिविधियों का जाल सामने आया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था की विफलता उजागर हो गई है। बन्नू जिले में टीटीपी आतंकियों की मजबूत मौजूदगी और लगातार हो रही मुठभेड़ों ने साबित कर दिया है कि पाकिस्तान अपनी ही जमीन पर फैल रहे आतंक के खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाने में नाकाम है। 17 टीटीपी आतंकियों का मारा जाना इसी गहरी जड़ें जमा चुके आतंकी नेटवर्क का संकेत है। शेरी खैल और पक्का पहाड़ खैल में आतंकियों की सक्रिय मौजूदगी की पुष्टि के बाद सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया। लेकिन यह खुद इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तानी एजेंसियां पहले आतंकियों को बढ़ने देती हैं और बाद में कार्रवाई का दिखावा करती हैं। वर्षों से टीटीपी खुलकर पाकिस्तान में हथियारों और विस्फोटकों के साथ सक्रिय है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

पाकिस्तान की नापाक 'निगरानी' उजागर

आईजीपी जुल्फिकार हमीद के अनुसार पहले अभियान में 10 आतंकी मारे गए और एक फसिलिटेटर गिरफ्तार हुआ। लेकिन सवाल यह है कि इतने बड़े आतंकी नेटवर्क की जानकारी

पाकिस्तान को पहले क्यों नहीं मिली। सात शव बरामद हुए जबकि तीन दुर्गम इलाके में रहे यह भी पाकिस्तान की कमजोरी है कि आतंकवादी पहाड़ी क्षेत्रों में पूरे सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं और सरकार वर्षों से हालात काबू नहीं कर पा रही है। दूसरे पूरे आठ घंटे चले अभियान में सात और आतंकी मारे गए। पाकिस्तान दावा करता है कि सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन असलियत यह है कि टीटीपी की बढ़ती शक्ति और लगातार जारी हमलों ने पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैला दी है। स्थानीय लोग भी अब पाकिस्तान सरकार की नाकामी से परेशान हैं और सुरक्षा एजेंसियों पर भरोसा खोते जा रहे हैं। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए। यह पाकिस्तान की उस ढुलमुल नीति का नतीजा है जिसने दशकों तक आतंकी संगठनों को पनाह दी और उनका इस्तेमाल पड़ोसी देशों के खिलाफ किया। अब वही संगठन पाकिस्तान में ही सिर उठा रहे हैं और सुरक्षा तंत्र को चुनौती दे रहे हैं। अब्शार चौक बन्नू में 10 किलो का बम मिलने और उसे निष्क्रिय करने की घटना यह साफ दिखाती है कि पाकिस्तान आतंकियों के जाल को खत्म नहीं कर पा रहा। घी के डिब्बे में छिपाया गया बम एक बड़े हमले की साजिश का हिस्सा था, जिसे समय रहते रोका गया। लेकिन यह खतरा हर बार टलना पाकिस्तान की असफलता का प्रमाण है, सफलता का नहीं।

राज्यसभा उप-सभापति पैनलः सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सात सदस्यों को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 21 नवंबर 2025 से उप-सभापतियों के नए पैनल का गठन कर दिया है। इस पैनल में कुल सात सदस्य शामिल किए गए हैं। ये सदस्य जरूरत पड़ने पर सभापति की अनुपस्थिति में सदन का संचालन कर सकेंगे। नए सदस्यों में डॉ. दिनेश शर्मा, भुवनेश्वर कलिता, एस. फांगनोन कोन्यक, राजानी पाटिल, डॉ. ससमित पात्रा, डॉ. थाम्बिदुरई और तिरुची शिवा शामिल हैं। बता दें कि राज्यसभा में बनाए गए सात सदस्यीय उप-सभापतियों के नए पैनल में विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। इस पैनल में चार सदस्य भाजपा, एक कांग्रेस, एक AIADMK और एक DMK से हैं। उत्तर प्रदेश से भाजपा के डॉ. दिनेश शर्मा, असम से भाजपा के भुवनेश्वर कलिता, नगालैंड से भाजपा की एस. फांगनोन कोन्यक, महाराष्ट्र से कांग्रेस की रजनी पाटिल, ओडिशा से भाजपा के डॉ. ससमित पात्रा, तमिलनाडु से,द्धष्ठरूद्म के डॉ. एम थाम्बिदुरई और तमिलनाडु से DMK के तिरुची शिवा का नाम शामिल है। राज्यसभा चलाने में सभापति और उपसभापति के अलावा भी कई बार अतिरिक्त सदस्यों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में पैनल के ये सदस्य सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने में मदद करते हैं। इसलिए यह पैनल संसद की कार्यप्रणाली का एक अहम हिस्सा माना जाता है।

बंगलूरू में फिल्मी स्टाइल में हुई 7 करोड़ की लूट का खुलासा, पुलिस कांस्टेबल समेत तीन गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

बंगलूरू पुलिस ने शहर में हाल ही में हुई सात करोड़ रुपये की लूट का खुलासा कर दिया है और एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से करीब पांच करोड़ रुपये भी बरामद कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है। बंगलूरू पुलिस आयुक्त ने बताया कि लूट की इस घटना की जांच में 200 पुलिसकर्मी जुटे हैं। बीते बुधवार को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे सीएमएस इंफो सिस्टम्स की कैश वैन एचडीएफसी बैंक (जेपी नगर) से तीन कैश बॉक्स लेकर 22 किमी दूर एचबीआर लेआउट जा रही थी। अचानक जयनगर के अशोक पिलर के पास एक मारुति जेन कार ने वैन को रोक दिया। इसके साथ ही पीछे से एक इनोवा (एमयूवी) भी आकर रुकी। जेन कार में से तीन लोग उतरे और वैन के कर्मचारियों से बोले- 'हम आरबीआई अधिकारी हैं, आपकी कंपनी पर नियम तोड़ने का आरोप है, बयान लेना है।' इस घटना के दौरान कैश वैन में चार लोग थे- ड्राइवर बिनोद कुमार, कस्टोडियन आफताब और दो गनमैन राजन्ना व तम्मैया। स्टाफ बिना शक किए उनके साथ एमयूवी में बैठ गया और अपनी राइफलें वैन में ही छोड़ दीं। इसके बाद शातिरों ने डेयरी सर्किल इलाके में वैन से कैश बॉक्स

निकालकर अपनी कार में डाला और चारों कर्मचारियों को वहीं छोड़कर फरार हो गए। बंगलूरू पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अब तक 5.76 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं और बाकी रकम का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सिंह ने कहा, 'हमने ग्यारह टीमें बनाई थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाया था। 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई और तीन को गिरफ्तार किया गया है। इनमें CMS इंफोसिस्टम्स का एक पुराना कर्मचारी और गोविंदपुरा पुलिस स्टेशन में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल शामिल हैं और लूट की घटना में शामिल एक अन्य शामिल है।' बंगलूरू पुलिस आयुक्त ने कहा कि शामिल अपराधियों को ट्रैक करने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीमें भेजी गईं। गैंग तीन महीने से लूट की योजना बना रहा था। उन्होंने कैश वैन के रास्ते का सर्वे किया और बिना कैमरों वाला रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि गैंग में लगभग छह से आठ लोग होने का अनुमान है, जो योजना बनाने, उसे अंजाम देने और अपराध के बाद कैश लाने-ले जाने में शामिल थे।

भतीजे और ड्राइवर के नाम पर खोली कंपनी, धोखाधड़ी से लिया ऋण, 22.3 करोड़ का एनपीए, बेनामी स्वामित्व का खेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोच्चि जोनल कार्यालय द्वारा 21 नवंबर को पीवी अनवर और अन्य लोगों से जुड़े कई परिसरों में छापेमारी की गई तो कई खुलासे हुए। संदिग्ध बेनामी स्वामित्व का खेल पता चला। जांच एजेंसियों को इस खेल की भनक न लग सके, इसके लिए 'भतीजे' और 'ड्राइवर' के नाम पर कंपनी खोली गई। उसके बाद केरल फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन (केएफसी) द्वारा धोखाधड़ी से ऋण स्वीकृत किए गए। पैसा किसी दूसरे काम में लगा दिया गया। नतीजा, 22.3 करोड़ का एनपीए हो गया। ईडी की यह जांच मेसर्स मलमकुलम कंस्ट्रक्शन को दिए गए 7.5 करोड़ रुपये और 3.05 करोड़ रुपये व 1.5 लाख रुपये के ऋण से जुड़ी है। मेसर्स पीवी आर डेवलपर्स को 1.56 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसे उन्हीं संपार्श्विक संपत्तियों का उपयोग करके थोड़े समय के अंतराल में स्वीकृत किया गया। इसके परिणामस्वरूप कुल एनपीए लगभग 22.3 करोड़ रुपये हो गया। प्रारंभिक साक्ष्य स्वीकृत धनराशि के दुरुपयोग, नाममात्र के शेयरधारकों और निदेशकों के उपयोग एवं संपत्तियों के संदिग्ध बेनामी स्वामित्व का संकेत देते हैं। इसके चलते धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 की धारा 17 के तहत पीवी अनवर और अन्य लोगों से जुड़े कई परिसरों में ईडी ने विस्तृत तलाशी अभियान प्रारंभ किया। यह तलाशी 2015 में केरल फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन (केएफसी) द्वारा धोखाधड़ी से ऋण स्वीकृत किए जाने से उत्पन्न धन शोधन जांच के संबंध में थी। यह तलाशी मेसर्स मलमकुलम कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स पी वी आर डेवलपर्स, मेसर्स बिस मंजेरी एलएलपी, मेसर्स केरल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (मलप्पुरम शाखा) से जुड़े आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत परिसरों और इसमें शामिल प्रमुख व्यक्तियों के आवासों पर की गई।

रिपोर्ट में खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाक को दिए खतरनाक हथियार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

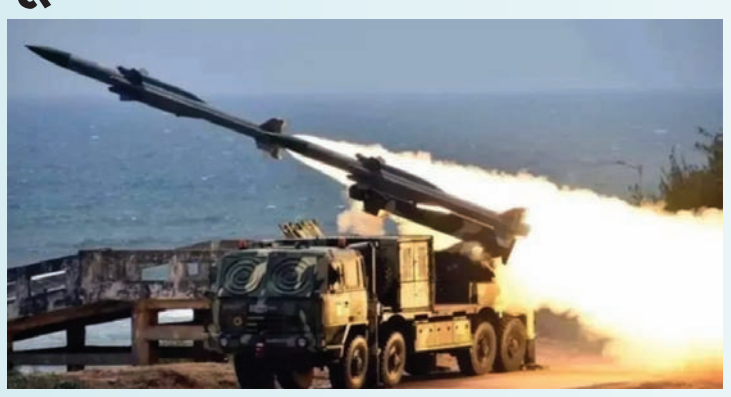

द्विदलीय अमेरिकी आयोग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मई 2025 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष को चीन ने अपने सबसे आधुनिक हथियारों का 'लाइव कॉम्बैट टेस्टिंग ग्राउंड' बना दिया। चीन ने अपनी रक्षा क्षमताओं का परीक्षण और प्रचार के मकसद से पाकिस्तान को हथियारों की मदद की। दरअसल, मंगलवार को प्रकाशित यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष का लाभ उठाया ताकि वह अपने हथियारों का परीक्षण

और प्रचार कर सके। रिपोर्ट के अनुसार, चीन को संघर्ष के दौरान ऐसा मौका पहली बार मिला था, जब उसने आधुनिक हथियार प्रणालियों का उपयोग किया था। उनमें HQ-9 वायु रक्षा प्रणाली, PL-15 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और J-10 लड़ाकू विमान शामिल हैं। जो वास्तविक दुनिया में एक क्षेत्रीय प्रयोग था। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद कथित तौर पर चीन ने जून में पाकिस्तान को 40 J-35 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट, KJ-500 विमान और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचने की पेशकश की। यही नहीं संघर्ष के कुछ हफ्तों बाद ही चीनी दुतावास ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में अपने सिस्टम की सफलताओं की प्रशंसा की, जिसका उद्देश्य हथियार बिक्री को बढ़ावा देना था। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद फ्रांसीसी राफेल लड़ाकू जेट को बदनाम करने की कोशिश की। फ्रांसीसी खुफिया जानकारी के अनुसार, चीन ने अपने J-35 के पक्ष में फ्रांसीसी राफेल की बिक्री में बाधा डालने के लिए एक दुष्प्रचार अभियान शुरू किया। चीन ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स का इस्तेमाल करके AI और वीडियो गेम की तस्वीरों को प्रचारित किया, जिसमें चीन के हथियारों द्वारा नष्ट किए गए विमानों के कथित मलबे को दिखाया गया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक मीडिया ब्रीफिंग में राफेल के बारे में दुष्प्रचार अभियान के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'आपने जिस तथाकथित 'आयोग' का उल्लेख किया है, वह हमेशा चीन के खिलाफ वैचारिक पूर्वाग्रह रखता है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड-301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा